



भारत का राजभास्त्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (1)

PART II—Section 3—Sub-section (1)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 118]

लहौर, लोमबार, अप्रैल 16, 1984/चैत्र 27, 1906

No. 118] NEW DELHI, MONDAY, APRIL 16, 1984/CHAITRA 27, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वाली है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

अम और पर्वताल मंत्रालय

(अम विभाग)

अधिसूचना

मई दिनों, 16 अप्रैल 1984

गान्धारनि. 286(अ)—मजदूरी सदाय (आन) नियम 1956 का जिसे इसमें आगे उक्त नियम कहा गया है, और सशीधन करने के लिए, कलिपय नियमों का निम्नलिखित प्रारूप जिसे केन्द्रीय सरकार मजदूरी सदाय अधिनियम, 1936 (1936 का 4) की धारा 24 के माध्यम परिवर्त धारा 26 की उपधारा (2) और (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग, करने वाला चाहती है उक्त अधिनियम की धारा 26 की उपधारा (5) की अपेक्षानुसार ऐसे गम्भीर व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है जिनके उससे प्रभावित होने की समावना है। इसके द्वारा यह सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर इस अधिसूचना के ग्रन्तिवाले में प्रकाशन की तारीख से तीव्र साम की अवधि दी समाप्ति के पश्चात विचार किया जाएगा।

2 ऐसे भाष्यों या सामाचीरों पर जो इस प्रकार विनिर्दिष्ट तारीख से पूर्व, उक्त प्रारूप को बायन किसी व्यक्ति से, प्राप्त होंगे, केन्द्रीय सरकार विचार करेगा।

प्रारूप नियम

मजदूरी संचाय (आन) संशोधन नियम 1983

1 उन नियमों का नाम मजदूरी सदाय (आन) संशोधन नियम 1983 है।

“१ यह नाम निर्दिष्टन (1) वह नियोजित व्यक्ति जो मजदूरी संचाय (आन) संशोधन नियम 1983 के प्रारम्भ की तरीख को नियोजन में है साधारणतया गोंगी तारीख से माठ दिन के भीतर और वह नियोजित व्यक्ति जो उक्त नियम के प्रारम्भ की तरीख के पश्चात नियोजित किया जाता है, साधारणतया ऐसे नियोजन के दिन से भीम

वित के भीतर किसी व्यक्ति का नाम निर्देशन करके उसे वे सभी रकमें प्राप्त करते का अधिकार प्रदान करेगा जो ऐसे नियोजित व्यक्ति को मजदूरी के रूप में देय है, किन्तु जो संदर्भ किए जाने से पूर्व नियोजित व्यक्ति की मृत्यु हो जाने के कारण या उसका पता ठिकाना न होने के कारण उसे नहीं दी सकी थी या नहीं दी जा सकी है। नियोजित व्यक्ति प्रकृत्य व्यक्ति के नाम निर्देशन करके उसकी दी प्रतियोगिता नियोजक पर, या तो व्यक्ति गत रूप में तामिल करके और उसकी प्राप्ति की उचित रसीद प्राप्त करके या फिर रसीदी रजिस्ट्रीकूट डाक से भेज कर उसकी नामील नियोजक पर करेगा :

परस्त नियोजक, प्रकृत्य व्यक्ति के नाम निर्देशन विनिर्दिष्ट अवधि के अवधान के पश्चात भी स्वीकार कर लेगा यदि उसके माथ विनम्र के उचित आधार प्रस्तुत किए जाएं हैं और इन प्रकार स्वीकृत को ही भी सामनिर्देशन मृत्युवात्र इस कारण अधिकारियां नहीं होगा कि वह ऐसी विनिर्दिष्ट अवधि के अवधान के पश्चात फालून किया गया है।

(2) उपनियम (1) के अधीन प्रकृत्य व्यक्ति में नाम निर्देशन की प्राप्ति से तीम वित के भीतर नियोजक, नियोजित व्यक्ति भी, नाम निर्देशन प्रकृत्य में यथा उल्लिखित भेदों विनियितां व्याप के अधिनेत्रों के प्रति निर्देश से सत्यापित कराएगा और प्रकृत्य व्यक्ति की हृषी सामनिर्देशन प्रकृत्य की हृषी प्रति जिसे नियोजक ने या उसके द्वारा इस निमित्प्राक्षिकृत किसी अविकारी ने सम्बन्धितः अनुप्रभावित किया हो, नियोजित व्यक्ति को उससे उसकी प्राप्ति की रसीद लेकर, आपस कर देगा। यह वापसी हस बात की प्रतीक होगी कि नियोजक ने नाम निर्देशन अभिलिखित कर दिया है और नामनिर्देशन की अन्य प्रति उपनियम (2) के उपनियम (1) में विहित रीति में अभिलिखित और फालून की जाएगी।

(3) यदि नामनिर्देशन करते समय नियोजित व्यक्ति को कोई कुटुम्ब है तो नाम निर्देशन उसके कुटुम्ब के किसी व्यक्ति के भी पक्ष में किया जाएगा। यदि कोई नाम निर्देशन ऐसे किसी व्यक्ति के पक्ष में किया जाता है जो नियोजित व्यक्ति के कुटुम्ब का व्यक्ति नहीं है तो वह शून्य होगा।

(4) यदि नाम निर्देशन करने नम्बर नियोजित व्यक्ति का कोई कुटुम्ब नहीं है तो नामनिर्देशन किसी भी व्यक्ति के पक्ष में किया जा सकता है किसु यदि बाद में नियोजित व्यक्ति का कोई कुटुम्ब बन जाता है तो ऐसा नामनिर्देशन तुँन मृत्यु द्वारा समझा जाएगा और नियोजित व्यक्ति, कुटुम्ब बनने से तीम दिन के भीतर, उपनियम (1) में यथाविनिर्दिष्ट रीति में नियोजक को प्रकृत्य व्यक्ति के पक्ष में दो प्रतियों में एक नया नाम निर्देशन प्रस्तुत करेगा और तत्पश्चात उपनियम (2) के उपबन्ध यथावश्यक परिवर्तनों सहित उसी प्रकार लागू होंगे गाने नामनिर्देशन उपनियम (1) के अधीन किया गया हो।

(5) यदि नाम निर्देशिती की मृत्यु नियोजित व्यक्ति के पूर्व ने जाती है तो नाम निर्देशिती का हित नियोजित व्यक्ति को प्रतिवर्तित हो जाएगा और नियोजित व्यक्ति, नाम निर्देशिती की मृत्यु के दिन से तीम दिन की अवधि के भीतर, इसमें आगे उत्तरवित रीति में, नाम नामनिर्देशन करेगा।

(6) नाम निर्देशन में उपास्तरण की सूचना जिसके अन्तर्गत ऐसे मामले भी हैं जिसमें नामनिर्देशिती की मृत्यु नियोजित व्यक्ति से पहले हो जाती है, सूचना नियोजक को प्रकृत्य व्यक्ति के पक्ष में उपनियम (1) में विनिर्दिष्ट रीति में दी जाएगी और तपश्चात उपनियम (2) के उपबन्ध यथावश्यक परिवर्तन महिला उमी प्रशार लागू होंगे मात्रों नामनिर्देशन उपनियम (1) के अधीन किया गया हो।

(7) नियोजित व्यक्ति किसी अप्राप्तवश्यक व्यक्ति को नाम निर्देशन नहीं करेगा।

(8) नाम निर्देशन नए नाम निर्देशन या नामनिर्देशन में उपास्तरण की सूचना पर नियोजित व्यक्ति हस्ताक्षर करेगा और यदि वह कांक्षा

नहीं है तो वह उस पर अंगठे का निशान लगाएगा। ऐसे हस्ताक्षर या अंगठे का निशान वा साक्षियों की उपस्थिति में लाएगा जाएगा जो, यथारित्यनि नामनिर्देशन तथा नामनिर्देशन में उपास्तरण की सूचना में इस भाव की एक घोषणा पर भी हस्ताक्षर करेंगे।

(9) नाम निर्देशन, नए नामनिर्देशन या नामनिर्देशन में उपास्तरण की सूचना उस तारीख से प्रभावी होगी जिस तारीख को वे नियोजक को प्राप्त होने हैं।

2ग. नाम निर्देशन-रजिस्टर (1) नियोजक नामनिर्देशन रजिस्टर में, यथास्थिति, नाम निर्देशन, नए नाम निर्देशन और नामनिर्देशन में उपास्तरण की सूचनाएँ अभिलिखित और फालून करेगा। नियोजक इस रजिस्टर को प्रहृष्ट ह में फालान्त्रिक में रखेगा।

(2) नियोजक नाम निर्देशन रजिस्टर अद्यतन रूप में रखेगा और स्थायी रूप में उसे कार्यस्थल पर रखेगा या यदि वह ऐसे रजिस्टर को कार्यस्थल पर रखने में कोई असुविधा महसूस करता है तो वह ऐसा रजिस्टर ऐसे किसी उपयुक्त स्थान पर रखेगा जिसे प्रारंभिक श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) इस निमित्त अनुमोदित करे।

4. उक्त नियमों के नियम 6 के उपनियम (1) में प्रत्येक रजिस्टर शब्दों के पूर्व "नाम निर्देशन रजिस्टर में भिन्न" शब्द जोड़ दिए जाएँगे।

5. विद्यमान नियम 9 को उपनियम (1) के रूप में पुनः संख्याक्रित किया जाएगा और निम्नलिखित उपनियम, नियम 9 के उपनियम (2) के रूप में अस्तस्थापित किया जाएगा, वर्णन—

"(2) मृत्यु श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) ऐसा विहित प्राधिकारी होगा जिसके पास, अधिनियम की धारा 25 की उपस्थाया (1) के खण्ड (च) के अधीन नियित किए जाने के लिए अपेक्षित रकम विद्युत की जाएगी और वह हस प्रकार नियित रकमों से नियम 14क में विहित रीति में बरतेगा।

6. नियम 19 के पश्चात निम्नगिरिष्ठ नियम भ्राता स्थापित किए जायेंगे वर्णन—

"19क असंविकारित संज्ञाएँ की रूपरूप का विवेद—
(1) यदि किसी शब्द ये नियोजित व्यक्ति मजदूरी के रूप में देय मध्यमे इस कारण असंविकारित रह जाएँ हैं कि या तो नियोजित व्यक्ति ने कोई नामनिर्देशन नहीं किया है या ऐसी रकमे देय हो जाने की नानीश से एक वर्ष के पश्चात तक नियोजित व्यक्ति के नाम निर्विती को इसी कारणवश संतु नहीं की जा गई हैं तो नियोजक ऐसी सभी रकमें, उक्त एक वर्ष की अवधि के अन्तिम दिन के पश्चात से पन्द्रह दिन के अवधान में एक वर्ष मध्य श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) के पास नियित कर देगा।

(2) नियोजक उपनियम (1) में नियित रकमे मृत्यु श्रम आयुक्त (केन्द्रीय), नई विद्युत के पक्ष में भारत में किसी अनुसूचित देश से प्राप्त नाम माग देय ड्रापट द्वारा नियित करेगा और ऐसा मांगेत्रे ड्रापट मृत्यु श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) को, प्रहृष्ट 6क में सुनियम द्वारा दी गयी व्यक्ति के माथ, रजिस्ट्रीकूट डाक से भेजेगा और उसके माथ ही उसकी एक प्रति संवेदित प्रादेशिक श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) वो भी भेजेगा।

19क. रकमों को बरने की रीति—

(1) मृत्यु श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) नियम 19क के अधीन नियित रकमों का उपयोग ऐसे उपायों के मध्यमे उपनियम व्यक्तियों को पूरा करने के लिए करेगा जो उसकी धारा 4 व्यापकों में नियोजित व्यक्तियों के कल्याण की अभिनवुद्धि करने के लिए आवश्यक वा यथीजीवन है और विशिष्ट

उनका उपयोग खानों में नियोजित व्यक्तियों के फायदे के लिए निम्नलिखित कार्यों पर करेगा, अर्थात् :—

- (i) शैक्षिक सुविधाओं की व्यवस्था और सुधार ;
- (ii) आमोद-प्रमोद से संबंधित सुविधाओं की व्यवस्था और सुधार;
- (iii) परिवार नियोजन और परिवार कल्याण की व्यवस्था और सुधार ।
- (iv) अवधारणा, प्रशिक्षण तथा अधारणा और विकलाग व्यक्तियों के पुनर्वर्ती की व्यवस्था और सुधार ;
- (v) परिवहन सुविधाओं की व्यवस्था और सुधार ।

(2) किसी खान के सबै में नियोजक द्वारा या किसी खान में नियोजित व्यक्तियों के लिए व्यवसाय संघ द्वारा जो व्यवसाय संघ अधिनियम, 1926 के अधीन रजिस्ट्रीकृत है, उपनियम (1) में निर्दिष्ट उपायों के संबंध में उपगत व्यय की संबंधित व्यक्ति को प्रतिपूर्ति, मुख्य श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) स्वविवेकानुसार पूर्णतः या भागतः कर सकता है परन्तु यह तब जब उसका यह समाधान हो जाए कि संबंधित व्यक्ति ने ०.५ व्यय उपनियम (1) में विविदिष्ट किसी सभावादिक प्रयोजन के लिए ही वसुतः उपगत किया है ।

7. उक्त नियमों के प्रकृत ५ में,—

- (क) मद ३ के खण्ड (क), (ख) और (छ) तथा मद ४ और ५ में प्रदृशत “1000” अंकों के स्थान पर, “1600” अंक रखे जाएँगे;
- (ख) मद ७ के पश्चात, निम्नलिखित मद अन्तः स्थापित की जाएगी, प्रथात्:—

“८. मुख्य श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) के पास नियित असंवितरित मजदूरी के मामलों की संख्या और रकमः

1,600 रु. प्रति मास से कम पाने	वालों व्यक्ति	
मामलों की संख्या		रकम

- (क) वे मामले जिनमें नामनिवेशन न होने के कारण मजदूरी असंवितरित रह गई हैं।
- (ख) वे मामले जिनमें मजदूरी नियोजित व्यक्ति (व्यक्तियों) द्वारा नाम निर्देशित व्यक्ति (व्यक्तियों) को किसी कारणबास संदर्भ नहीं की जा सकती है।

8. उक्त नियमों के प्रकृत ७ में,

- (क) मद १ में “200” अंकों के स्थान पर, “1600” अंक रखे जाएँगे।
- (ख) मद ९ की उपमद (2) के खण्ड (क) में “प्रति रुपया नीवेसे” शब्दों के स्थान पर “उम मजदूरी प्रवधि के संबंध में किसीसे जुमाना अधिरोपित किया गया है, उसे देय मजदूरी के ९ प्रतिशत” शब्द रखे जाएँगे;
- (ग) मद १२ में “केन्द्रीय सरकार” शब्दों के पश्चात “या मुख्य श्रम आयुक्त (केन्द्रीय)” शब्द और कोष्ठक जोड़ दिए जाएँगे;
- (ज) मद १२ के पश्चात निम्नलिखित मद अन्तःस्थापित की जाएगी प्रथात्:-

“१२-क, नियोजित व्यक्ति के लिखित प्राधिकार से ऐसी किसी निधि में, जो या तो नियोजक ने या व्यवसाय संघ अधिनियम, 1926 के अधीन रजिस्ट्रीकृत किसी व्यवसाय संघ ने, नियोजित व्यक्तियों या उनके बूद्ध्य के सदस्यों, या दोनों के कल्याण के लिए गठित की है और जिसे केन्द्रीय सरकार ने, या इस नियित उमके द्वारा विनिष्टि किसी प्रशिक्षकारी ने ग्रन्तिमार्गित किया है, उसके अधिदान के संबंध के लिए कठोरिया ऐसे अनुमोदन के बने रहने के दौरान की जा सकती है;

(३) मद १४ के पश्चात निम्नलिखित मद अन्तः स्थापित की जाएगी, प्रथात्—

- “१४-क. नियोजित व्यक्ति के लिखित प्राधिकार से, व्यवसाय संघ अधिनियम, 1926 के अधीन रजिस्ट्रीकृत किसी व्यवसाय संघ की सदस्यता के लिए नियोजित व्यक्ति द्वारा देय फीसों के संदाय के लिए कठोरियों की जा सकती है”;
- (ब) मद १५ में, “केन्द्रीय सरकार” शब्दों के पश्चात “या मुख्य श्रम आयुक्त (केन्द्रीय)” शब्द और कोष्ठक जोड़ दिए जाएँगे;
- (छ) मद १९ के पश्चात निम्नलिखित शब्द और मद अन्तः स्थापित की जाएगी अर्थात्:—

“असंवितरित मजदूरी का संदाय

- (१९क) (१) यदि मजदूरी के रूप में किसी नियोजित व्यक्ति को देय सभी रकमों का संदाय, ऐसे संदाय से पूर्व नियोजित व्यक्ति की मृत्यु कहो जाने के कारण उसका पता ठिकाना जात न होने के कारण नहीं किया जा सकता है या नहीं किया जा सकता है तो ऐसी रकमों का संदाय उस व्यक्ति को कर दिया जाएगा जिसे ऐसे नियोजित व्यक्ति ने इस नियित नामनिवेशन किया है।
- (२) यदि मजदूरी इस कारण असंवितरित रह जाती है कि नियोजित व्यक्ति ने कोई नामनिवेशन नहीं किया है या ऐसी रकम में नियोजित व्यक्ति के नाम निर्वैशिरों को, ऐसी रकमों के देय होने की तारीख से एक वर्ष के अवधान के पश्चात तक, संदर्भ नहीं की जा सकती है तो नियोजक ऐसी असंवितरित मजदूरी की सभी रकमें, उक्त एक वर्ष की अवधि के अंतिम दिन के पश्चात से १५ दिन के अवधान से पूर्व मुख्य श्रम आयुक्त (केन्द्रीय), नहीं विलीनी के पास निकाल कर देगा।

नियित रकमों को बरतने की रीति

- (१९ष्ट) (१) मुख्य श्रम आयुक्त (केन्द्रीय), अपने पास नियित असंवितरित मजदूरी की रकमों का उपयोग ऐसे उपायों के संबंध में व्यय की पूरा करने के लिए करेगा जो खानों में नियोजित व्यक्तियों के कल्याण की अभिवृद्धि करने के लिए किए जाते हैं और विशिष्टित : उनका उपयोग खानों में नियोजित व्यक्तियों के फायदे के लिए किए गए उपायों, उत्ताहरणार्थ, नियोजित व्यक्तियों की जिला, आमोद-प्रमोद और परिवहन सुविधाओं परिवार नियोजन और परिवार कल्याण, व्यवसायिक प्रशिक्षण और अशक्त तथा विकलाग व्यक्तियों के पुनर्वास की व्यवस्था और सुधार कार्य के बारे की पूरा करने के लिए किया जाएगा।
- (२) किसी खान के संबंध में नियोजक द्वारा या किसी खान में नियोजित व्यक्तियों के लिए व्यवसाय संघ द्वारा जो व्यवसाय संघ अधिनियम, 1926 के अधीन रजिस्ट्रीकृत है, ऐसे प्रकार उपगत व्यय की संबंधित व्यक्ति को प्रतिपूर्ति मुख्य श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) स्वविवेकानुसार पूर्णतः या भागतः कर सकता है।

[सं० एस० ३१०१२ / ८ / ८२ इन्ड्य०० सी० (पी० इन्ड्य००)]

प्रकृत व्य

[नियम २ व्य का उपनियम (१) देखिए]

नामनिवेशन

सेवा में,

(गहां खान का नाम और पूरे पते के साथ नियोजक का नाम और पता दीजिए)

में
पूरा नाम

जिसकी विविधिया नीचे विवरण में दी गई हैं, नीचे उल्लिखित व्यक्ति का नामनिर्देशन, मजदूरी के रूप में मुझे देय सभी रकमें उस वशा में प्राप्त करने के लिए, करता हूँ जब ऐसी रकमें उन के संबाय से पूर्व मेरी मृत्यु हो जाने के कारण या मेरा पता छिकाना जान न होने के कारण मुझे संदर्भ न की जा सकी हो या संदर्भ न की जा सकती हों।

2. मैं भ्राण्डित करता हूँ कि जिस व्यक्ति का मैंने नामनिर्देशन किया है वह मजदूरी संबाय (जान) नियम, 1956 के नियम 2 के खण्ड (छठ) के अर्थ में मेरे कुटुम्ब का सदस्य है।

3 मैं बोधा करता हूँ कि उक्त नियमों के नियम 2 के खण्ड (छठ) के अर्थ में मेरा कोई कुटुम्ब नहीं है और यदि भविष्य में मेरा कोई कुटुम्ब है वह जाता है तो उक्त नामनिर्देशन शून्य हो जाएगा और उस दशा में प्रस्तु ग में एक नया नामनिर्देशन कहलगा।

4. (क) मेरे पिता / माता / माता-पिता मुझ पर आधित नहीं है।
(ब) मेरे पति के पिता / माता माता-पिता मेरे पति पर आधित नहीं है।

नामनिर्देशिती

नामनिर्देशिती का नाम नियोजित व्यक्तियों के नामनिर्देशिती की आयु और पता साथ नामनिर्देशिती की नामेशारी

1

2

3

विवरण

- नियोजित व्यक्ति का पूरा नाम
- लिंग
- वर्म
- क्या अविवाहित / विवाहित / विधवा / विवृत है
- उस विभाग / शाखा / अनुभाग का नाम जिसमें नियोजित है:
- आरित पर सथाटिकट संस्थाक मा क्रम संलग्नक, यदि कोई है।
- नियुक्ति की तारीख
- कर्तमान पता:
- स्थायी पता:

प्राम—शाना—उपखण्ड—

जाकलाना—जिला—

राज्य—

स्थान—

तारीख नियोजित व्यक्ति के हस्ताक्षर / अंगूठे का निशान साक्षियों द्वारा शोषण।

नामनिर्देशन पर मेरे समक्ष हस्ताक्षर किए गए / अंगूठे का निशान लगाया गया।

निम्नलिखित का पूरा नाम और पता— साक्षियों के हस्ताक्षर

1. _____ 1. _____

2. _____ 2. _____

स्थान—

तारीख—

नियोजक का प्रमाणपत्र

प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्त नामनिर्देशन की विविधियों का संस्थापन कर लिया गया है और उन्हे क्रम संख्यांक _____ पर प्रस्तु छठ मे नामनिर्देशन रजिस्टर मे भवित्वित कर दिया गया है।

नियोजक/प्राधिकृत अधिकारी के हस्ताक्षर

स्थान— पद नाम

तारीख— जान का नाम और पता या उसकी रक्षा मुद्रा

नियोजित व्यक्ति की भावित्वीकृति

मेरे द्वारा प्रस्तु व्य में फाईल किए गए नामनिर्देशन की द्वितीय प्रति, जिसे नियोजक ने सम्मत: प्रमाणित किया है, मैंने प्राप्त की।

स्थान— नियोजित व्यक्ति के हस्ताक्षर
तारीख—

टिप्पणी—जो शब्द या पैरा लागू नहीं होते हैं उन्हे काट दोजिए।

प्रस्तु ग

[नियम 2 छ का उपनियम (4) देखिए]

नया नामनिर्देशन

सेवा में,

(यहाँ जान के नाम और पूरे पते सहित नियोजक का नाम और पता दीजिए)

मैं _____ जिसकी विविधिया नीचे विवरण (पूरा नाम)।

मैं यी गई हैं। यह कथन करता हूँ कि मजदूरी संबाय (जान) नियम, 1956 के नियम 2 के खण्ड (छठ) के अर्थ में नीचे उपवर्णित रीति में सारीख से मेरा कुटुम्ब बन गया है। अतः मैं नीचे उल्लिखित व्यक्ति का नाम नामनिर्देशन, मजदूरी के रूप में मुझे देय सभी रकमें उस वशा में प्राप्त करने के लिए करता हूँ जब ऐसी रकमें उनके संबाय से पूर्व मेरी मृत्यु हो जाने के कारण या मेरा पता छिकाना जात न होने के कारण मुझे संबाय न की जा सकी हो या संदर्भ न की जा सकती हों।

2. मैं भ्राण्डित करता हूँ कि जिस व्यक्ति का मैंने नामनिर्देशन किया है वह उक्त नियमों के नियम 2 के खण्ड (छ) के अर्थ में मेरे कुटुम्ब का सदस्य है।

3. (क) मेरे पिता / माता / माता-पिता मुझ पर आधित नहीं है।

(ब) मेरे पति के पिता / माता / माता-पिता मेरे पति पर आधित नहीं है।

नाम निर्देशिती

नामनिर्देशिती का नाम नियोजित व्यक्तियों नाम निर्देशिती की आयु और पता क साथ नामनिर्देशिती आयु की नामेशारी

1. _____ 2. _____ 3. _____

“कुटुम्ब” बन जाने की रीति

(यहां इस बाबत और दीजिए कि कुटुम्ब किस प्रकार बना है अर्थात्, विवाह द्वारा या माता-पिता के आनंदित हो जाने के कारण या दस्तक ग्रहण जैसी किसी अन्य प्रक्रिया के कारण)

विवरण

1. नियोजित व्यक्ति का पूरा नाम
2. लिंग
3. वर्ष
4. क्या अविवाहित/विवाहित/विवाहा/विषुर है
5. उस विभाग/शाखा/अनुभाग का नाम जिसमें नियोजित है
6. धारित पद तथा टिकट संख्याक या क्रम संख्याक यदि कोई है
7. नियुक्ति की तारीख
8. वर्तमान पता :
9. स्थायी पता :

प्राप्त ————— याता —————
उप छाप्ट ————— डाकखाना —————
जिला ————— राज्य —————

स्थान ————— नियोजित व्यक्ति के हस्ताक्षर
तारीख ————— अंगूठे का निशान

साक्षियों द्वारा घोषणा

नए नामनिर्देशन पर मेरे समक्ष हस्ताक्षर किए गए अंगूठे का निशान लगाया गया।

निम्नलिखित का पूरा नाम और पता साक्षियों के हस्ताक्षर

- 1.
- 2.
- 3.

स्थान —————
तारीख —————

नियोजक का प्रमाणपत्र

प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्त नामनिर्देशन की विशिष्टियों का सत्यापन कर लिया गया है और उन्हें क्रम संख्या ————— पर प्रस्तुप ड० में नामनिर्देशन रजिस्टर में, अधिलिखित कर लिया गया है।

नियोजक / प्राधिकृत अधिकारी के
हस्ताक्षर

पत्राम

खात का नाम और पता या उसकी
खबू मुद्रा

स्थान —————
तारीख —————

नियोजित व्यक्ति की अभिव्यक्तिसीमा

मेरे द्वारा प्रहृष्ट ग में फाईन किए गए नामनिर्देशन की द्वितीय प्रति, जिसे नियोजक के सम्यकतः प्रमाणित किया है, मैंने प्राप्त की।

स्थान —————

तारीख —————

नियोजित व्यक्ति के हस्ताक्षर

टिप्पण :—जो शब्द या पंक्ति लागू नहीं होते हैं, उन्हें काट दीजिए।

प्रस्तुप घ

(नियम 2 व का उपनियम (6) देखिए)

नामनिर्देशन का उपालंतरण

सेवा में,

(यहा खात का नाम और पूरे पते सहित नियोजक का नाम और पता दीजिए)

मैं, ————— जिसकी विशिष्टिया नीचे दी गई है,
(पूरा नाम)

सुनना देता हूँ कि मैंने जो नामनिर्देशित तारीख ————— को फाईल किया है और जिसे आपके निर्देश सं० ————— पर तारीख ————— को अधिलिखित किया गया है, उसमें निम्नलिखित रूप से उपालंतरण किए जाएंगे :—

(यहा आशयित उपालंतरणों के और दीजिए)

विवरण

1. नियोजित व्यक्ति का पूरा नाम
2. लिंग
3. वर्ष
4. क्या अविवाहित / विवाहित / विवाहा विषुर है
5. उस विभाग शाखा अनुभाग का नाम जिसमें नियोजित है
6. धारित पद तथा टिकट संख्या या क्रम संख्यक, यदि कोई है
7. नियुक्ति की तारीख
8. वर्तमान पता :
9. स्थायी पता :

प्राप्त ————— याता —————
उप छाप्ट ————— डाकखाना —————
जिला ————— राज्य —————

नियोजित व्यक्ति के हस्ताक्षर /
अंगूठे का निशान

स्थान —————

तारीख —————

साक्षियों द्वारा घोषणा

उपालंतरित नामनिर्देशन पर मेरे समक्ष हस्ताक्षर किए गए अंगूठे का निशान लगाया गया।

निम्नलिखित का पूरा नाम और पता साक्षियों के हस्ताक्षर

- 1.
- 2.

स्थान —————

तारीख —————

नियोजक का प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्त उपान्तरण अभिलिखित कर लिए गए हैं और उन्हें प्रस्तुप डॉ में नामनिर्देशन रजिस्टर में कम संख्याकां पर अभिलिखित और प्रतिष्ठित कर लिया गया है।

नियोजक/प्राधिकृत अधिकारी के हस्ताक्षर पदनाम

खान का नाम और पता या उमर्सों रखकृ शुद्ध

स्थान _____
तारीख _____

नियोजित व्यक्ति की अभिस्थीति

मेरे द्वारा प्रस्तुप घ में फाईल किए गए नामनिर्देशन का द्वितीय प्रति, जिससे नियोजक ने सम्यक्त प्रमाणित किया है, मैंने प्राप्त करा।

नियोजित व्यक्ति के हस्ताक्षर

स्थान _____

तारीख _____

टिप्पणः— जो शब्द या वेरा लायू नहीं होते हैं उन्हें काट दीजिए।

प्रस्तुप डॉ

[नियम 2ग का उपनियम (1) देखिए]

नामनिर्देशन रजिस्टर

खान का नाम और पता.....

नियोजक का नाम और पता.....

भाग-1

कम से०	नियंत्रित व्यक्ति का नियोन की नाम और पूरा पता	प्रस्तुप घ में प्रारम्भ से नाम- निर्देशित किए गए नाम- निर्देशित की नाम और पूरा पता सथा तारीख	प्रस्तुप घ में नामनिर्देशित किए गए पश्चात्यात्तरी नामनिर्देशित की नाम और पूरा पता तथा तारीख	प्रस्तुप घ में किए गए नाम- गए पश्चात्यात्तरी नामनिर्देशित की सूचनाओं में शिरों का नाम और पूरा के उपान्तरणों के बाद बोर्ड है, और और सारीप	टिप्पणिया
1	2	3	4	5	6

भाग-2 विविष्ट

इसमें प्रस्तुप घ में किए गए प्रत्येक नामनिर्देशन की, प्रस्तुप घ में किए गए प्रत्येक नए नामनिर्देशन तथा प्रस्तुप घ में नामनिर्देशन में किए गए उपान्तरण की सूचना की एक-एक प्रति भाग 1 में उपवर्णित कम के अनुसार होगी।

प्रस्तुप 6 क

[नियम 19 का उपनियम (2) देखिए]

प्रेषक :

रजिस्ट्रीकूर्स

(यहां नियोजक का नाम और पूरा पता दीजिए)

सेवा में,

मुख्य अम आयुक्त (केन्द्रीय),
अम निवेश भवन, रफी मार्ग,
नई विल्ली-110001

विषयः—असंवितरित मजदूरी की रकम का नियोप

महोदय,

मजदूरी संवाय (खान) नियम, 1956 के नियम 19क के उपनियम (2) के साथ पठित उपनियम (1) के अधीन यथावितरत रूप में मैं से आपके पश्च में अभिप्राप्त (बैंक का नाम और पता लिखिए)

रूप का कास मागदेय फ्रॉट

(अंकों में) (शब्दों में)

सं० _____ तारीख _____
(सं० का उल्लेख कीजिए) (तारीख का उल्लेख किजिए)

ऊपर उल्लिखित रकमें वे रकमें हैं जो (खान का नाम और पता लिखिए)

में नियोजित व्यक्तियों को मजदूरी के रूप में देय हैं तब जो नियोजित

व्यक्ति (व्यक्तियों) द्वारा नामनिर्देशन न किए जाने के कारण या किसी अन्य कारणवश नियोजित व्यक्ति (व्यक्तियों) के अपने अपने नामनिर्देशिती (नाम निवेशितियों) को ऐसी रकम सवत्ता न को जा सकने के कारण अविवरित रह गई है। सुसंगत और नीचे लिये गए हैं:—

1. सुसंगत मजदूरी अवधि की विविधिया

(मजदूरी अवधि के बारे दीजिए)

2. ऐसे मामलों की संख्या जिनमें नाम

निर्देशन न होते के कारण, नियोजित व्यक्ति को मजदूरी के रूप में देय सभी रकमें अभिवरित रह गई हैं

(ऐसे मामलों का सवाया लिखिए)

3. मद 2 में विविष्ट मामलों में

असंवितरित मजदूरीयों की कुल रकम

(अंकों में) (शब्दों में)

4. ऐसे मामलों की संख्या जिनमें

मजदूरी के रूप में किसी नियोजित व्यक्ति को देय सभी रकमें, नियोजित व्यक्ति (व्यक्तियों) द्वारा नामनिर्देशन व्यक्ति (व्यक्तियों) को, सवत्ता नहीं को जा सकती है।

(ऐसे मामलों की संख्या लिखिए)

5. मद 4 में निर्दिष्ट मामलों में असं- वितरित मजदूरी की कुल रकम	(अंकों में)	(शब्दों में)
6. मद 3 और 5 में निर्दिष्ट अनं- वितरित मजदूरी की कुल रकम	(अंकों में)	(शब्दों में)
		भवदीय
		नियोजक / प्राधिकृत अधिकारी के हस्ताक्षर
स्थान		पदमान
तारीख		खान का नाम और पता या उपकी रकड़ स्टाम्प
एक प्रति जिसके साथ संलग्न नहीं है, जानकारी के लिए प्रादेशिक अम भायुक्त (केन्द्रीय)	(पता)	खान का नाम और पता या उपकी रकड़ स्टाम्प
		नियोजक / प्राधिकृत अधिकारी के हस्ताक्षर पतनाम
स्थान		खान का नाम और पता या उपकी रकड़ मुद्रा
तारीख		

MINISTRY OF LABOUR & REHABILITATION

(Department of Labour)

NOTIFICATION

New Deili, the 16th April, 1984

G.S.R. 286(E):—The following draft of certain rules further to amend the Payment of Wages (Mines) Rules 1956 herein-after referred to as the said rules which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by sub-sections (2) and (3) of Section 26 read with section 24 of the Payment of Wages Act, 1936 (4 of 1936), is hereby published as required by sub-section (5) of section 26 of the said Act for information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration after the expiry of three months from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

2. Any objection or suggestion which may be received from any person on the receipt of the said draft before the date so specified will be considered by the Central Government.

DRAFT RULES

The Payment of Wages (Mines) Amendment Rules, 1983

1. These rules may be called the Payment of Wages (Mines) Amendment Rules, 1983.

2. In rule 2 of the Payment of Wages (Mines) Rules, 1956,—

(a) after clause (b), the following clause shall be inserted, namely :—

“(bb)” Chief Labour Commissioner (Central) “means an officer appointed as such by the Central Government”,

After clause (g), the following clause shall be inserted, namely :—

“(gg) “family” means,—

(i) in case of a male employed person, his wife, his children, whether married or unmarried, his dependent parents and his deceased sons, widows and children;

(ii) in case of a female employed person, her husband, her children, whether married or unmarried, her dependent parents, her husband’s dependent parents and her deceased sons”, widows” and children”.

3. After rule 2A, the following rules shall be inserted namely :—

“2B Nominations.—(1) In case an employed person is already in employment on the date of commencement of the Payment of Wages (Mines) Amendment Rules, 1983 ordinarily within 60 days from such date, and in case an employed person has been employed after the date of commencement of the said rules, ordinarily within 30 days from the day he is employed, shall nominate a person conferring on him the right to receive all amounts payable to him as wages if such amounts could not or cannot be paid on account of his death before the payment or on account of his whereabouts not being known. The nomination shall be in Form B and submitted in duplicate by the employed person by personal service, after taking proper receipt thereof or by sending through registered post with acknowledgement due to the employer.

Provided that nomination in Form B shall be accepted by the employer even after the expiry of the specified period, if filed with reasonable grounds for delay and no nomination so accepted shall be invalid mainly because it was filed after the expiry of the specified period.

(2) Within 30 days of the receipt of the nomination in Form B under sub-rule (1), the employer shall get the service particulars of the employed person, as mentioned in the form of nomination, verified with reference to records of the mine and returned to the employed person, after obtaining a receipt thereof, the duplicate copy of the nomination in Form B duly attested either by the employer or an officer authorised in this behalf by him, as a token of recording of the nomination by the employer and the other copy of the nomination shall be recorded and filed in the manner prescribed in sub-rule (1) of rule 2C.

(3) If an employed person has a family at the time of making a nomination, the nomination shall be in favour of a person belonging to his family. Any nomination made by such employed person in favour of a person not belonging to his family, shall be void.

(4) If at the time of making a nomination, the employed person has no family, the nomination may be made in favour of any person but as soon as the employed person subsequently acquires a family, such nomination shall forthwith be deemed to be void and the employer person shall, within 30 days of acquiring a family, submit in the manner as specified in sub-rule (1), submit a fresh nomination in duplicate in Form C to the employer and thereafter the provisions of sub-rule (2) shall apply mutatis mutandis as if it was made under sub rule (1).

(5) If the nominee pre-deceases the employed person, the interest of the nominee shall revert to the employed person who shall, within a period of thirty days from the death of the nominee, make fresh nomination in the manner hereinafter provided for.

(6) A notice of modification of a nomination including cases where a nominee pre-deceases an employed person, shall be submitted in duplicate in Form D to the employer in the manner specified in sub-rule (1) and thereafter the provisions of sub-rule (2) shall apply mutatis mutandis as if it was made under sub rule (1).

(7) The employed person shall not nominate a person who is a miner.

(8) A nomination, a fresh nomination or a notice of modification of nomination shall be signed by the employed person or, if illiterate, bear his thumb impression in the presence of two witnesses who shall also sign a declaration to that effect in the nomination, fresh nomination, or a notice of modification of nomination as the case may be.

(9) A nomination, fresh nomination or a notice of modification of nomination shall take effect from the date of receipt thereof by the employer.

2 C. Register of nominations.—(1) The employer shall record and file all nominations, fresh nominations and notices of modification of nominations, as the case may be, in the register of nominations which shall be maintained chronologically by the employer in Form E.

(2) The register of nominations shall be maintained by the employer upto date and kept permanently at the work spot or where the employer experiences difficulty in keeping them at the work spot, at any other suitable place, as may be approved by the Regional Labour Commissioner (Central) in this behalf.

4. In sub-rule (1) of rule 6 of the said rules, after the words, 'Every register' the words, 'other than the register of nominations, shall be added.

5. The existing rule 9 shall be re-numbered as sub-rule (1) and the following sub-rule shall be inserted as sub-rule (2) of rule 9, namely :—

"(2) The Chief Labour Commissioner (Central) shall be the prescribed authority with whom amounts required to be deposited under clause (b) of sub-section (1) of section 25A of the Act, shall be deposited and who shall deal with the amounts so deposited in the manner prescribed in rule 19B"

6. After rule 19, the following rules shall be inserted, namely :—

"19A. Deposit of amounts of undisbursed wages.—(1) Where all amounts payable as wages to person employed in a mine remains undisbursed because either no nomination had been made by the employed person or for any reasons such amounts could not be paid to the nominee of the employer person until the expiry of one year from the date the same had become payable, all such amounts shall be deposited by the employer with the Chief Labour Commissioner (Central) before the expiry of the fifteenth day after the last day of the said period of one year.

(2) The amounts referred to in sub-rule (1) shall be deposited by the employer through crossed demand draft obtained from any Scheduled Bank in India drawn in favour of the Chief Labour Commissioner (Central), New Delhi, and such demand draft shall be submitted by the employer to the Chief Labour Commissioner (Central) together with relevant details in Form VI-A by registered post simultaneously endorsing its copy to the Regional Labour Commissioner (Central) concerned.

19B. Manner of dealing with the amounts.—(1) The amount deposited under rule 19A shall be applied by the Chief Labour Commissioner (Central) to meet the expenditure incurred in connection with the measures which, in his opinion are necessary or expedient to promote the welfare of persons employed in mines and in particular to defray the cost of measures for the benefit of persons employed in the mines directed towards,—

- (i) the provision and improvement of educational facilities;
- (ii) the provision and improvement of recreational facilities;
- (iii) the provision and improvement of family welfare including family planning;
- (iv) the provision and improvement of vocational training, rehabilitation of disabled and handicapped persons; and
- (v) the provision and improvement of transport facilities.

(2) The expenditure incurred in connection with the measures referred to in sub-rule (1) either by an employer in relation to a mine or a trade union registered under the Trade Unions Act, 1926 of persons employed in a mine may be reimbursed to the person concerned by the Chief Labour Commissioner (Central) either wholly or partly at his discretion, provided he is satisfied that the expenditure has been actually incurred by that person for the bonafide purpose specified in the sub-rule (1)".

7. In Form V of the said rules,—

(a) for the figure "1,000" appearing at items 3(a), (b) and (d) and items 4 and 5, the figures, "1,600" shall be substituted;

(b) after item 7, following item shall be inserted namely :—

"8. No. of cases and amount of undisbursed wages deposited with the Chief Labour Commissioner (Central):

Persons receiving less than Rs. 1,600 per month

No. of cases Amount

(a) Cases in which wages remained undisbursed for want of nomination.

(b) Cases in which wages could not be paid to person nominated by employed persons (s) for any reason."

8. In Form VII of the said rules—

(a) at item 1, for the figures, "200" the figures "1600" shall be substituted :

(b) in clause (a) of sub-item (2) of item 9, for the words, "naye paise in the rupee", the words, "per cent of the wages payable to him in respect of that wage period in which fine is imposed" shall be substituted ;

(c) at item 12, after the words, "Central Government" the words and brackets, "or the Chief Labour Commissioner (Central)" shall be added ;

(d) after item 12, the following item shall be inserted, namely—

"12-A. Deductions can be made with the written authorisation of the employed person for payment of his contribution to any fund constituted by the employer or a trade union registered under the Trade Unions Act, 1926 for the welfare of the employed persons or the members of their families or both, and approved by the Central Government or any officer specified by it in this behalf, during the continuance of such approval".

(e) after item 14, the following item shall be inserted, namely—

"14-A. Deductions can be made with the written authorisation of the employed person for payment of fees payable by him for the membership of any trade union registered under the Trade Unions Act, 1926;"

(f) at item 15, after the words, "approved by the Central Government", the words and the brackets "or the Chief Labour Commissioner (Central)" shall be added before the words, "or to the postal insurance";

(g) after item 19, the following words and items shall be inserted, namely—

PAYMENT OF UNDISBURSED WAGES

19A(1). If all amounts payable to an employed person as wages could not or cannot be paid on account of his death before payment or on account of his whereabouts not being known shall be paid to the person nominated by him in this behalf.

(2) Where wages remains undisbursed because either no nomination had been made by the employed person or for any reasons such amounts could not be paid to the nominee of the employed person until the expiry of one year from the date the same had become payable, all amounts of such undisbursed wages shall be deposited by the employer with the Chief

Labour Commissioner (Central) New Delhi before the expiry of the fifteenth day after the last day of the said period of one year.

Manner of dealing with deposited amounts

19B. (1) The amount of undisbursed wages deposited with the Chief Labour Commissioner (Central) shall be applied by him to meet the expenditure in connection with the measures to promote the welfare of persons employed in mines particular to defray the cost of measures for the benefit of persons employed in mines such as the provision and improvement of educational, recreational and transport facilities, family welfare, including family planning, vocational training, and rehabilitation of disabled and handicapped persons.

(2) The expenditure so incurred either by an employer in relation to a mine or a trade union or persons employed in a mine, registered under Trade Unions Act, 1926 may be reimbursed to the person concerned by the Chief Labour Commissioner (Central) either wholly or partly at his discretion.

[No. S-32012/8/82-WC(PW)]

Form B

[See sub-rule (1) of rule 2B]

Nomination

To

(Give here name and address of employer together with name and full address of the mine)

I.....
(name in full here)

whose particulars are given in the statement below hereby nominate the person mentioned below to receive all amounts payable to me as wages if such amounts could not or cannot be paid on account of my death before the payment or on account of my whereabouts not being known.

2. I hereby certify that the person nominated by me is a member of my family within the meaning of clause (gg) of rule 2 of the Payment of Wages (Mines) Rules, 1956.

3. I hereby declare that I have no family within the meaning of clause (gg) of rule 2 of the said rules and should I acquire a family hereafter, the above nomination shall be void and in that event I shall make a fresh nomination in Form C.

4. (a) My father/mother/parents is/are not dependent upon me.

(b) My husband's father/mother/parents is/are not dependent on my husband.

Nominee

Name and address of the nominee	Nominees relationship with the employed person	Age of nominee
(1)	(2)	(3)

Statement

1. Name of the employed person in full
2. Sex
3. Religion
4. Whether unmarried/married/widow/widower
5. Department/Branch/Section where employed
6. Post held with ticket number or, serial number if any
7. Date of appointment

8. Present address.

9. Permanent address.

Village..... Thana..... Sub-division....

Post office..... District..... State.....

Place..... Signature/thumb impression of the
Date..... employed person

Declaration by witnesses

Nominator signed/thumb-impressed before me.

Name in full and full address of Signature of witnesses;

1.
2.

Place.....

Date.....

Certificate by the employer

Certified that the particulars of the above nomination have been verified and recorded in the register of nominations in Form E at serial No.....

Signature of the employer/
officer authorised

Place..... Designation

Date..... Name and address of the mine
or rubber stamp thereof

Acknowledgement of the employed person

Received the duplicate copy of nomination in Form B filled by me and duly certified by the employer.

Place..... Signature of the employed person

Date.....

Note : Strike out the words and paragraphs not applicable.

FORM C

[See sub-rule (4) of rule 2B]

Fresh nomination

To

(give here name and address of employer together with name and full address of the mine)

I.....
(name in full here)

whose particulars are given in the statement below have acquired a family within the meaning of clause (gg) of rule 2 of the Payment of Wages (Mines) Rules 1956 with effect from..... (date here).....(in the manner indicated below and therefore nominate a fresh the person mentioned below to receive all amounts payable to me as wages if such amounts could not or cannot be paid on account of my death before the payment or on account of my whereabouts not being known.

2. I hereby certify that the person nominated by me is a member of my family within the meaning of clause (gg) of rule 2 of the said rules.

3. (a) My father/mother/parents is/are not dependent upon me.

(b) My husband's father/mother/parents is/are not dependent on my husband.

Nominee

Name and address of the nominee	Nominee's relationship with the employed person	Age of nominee
1	2	3

MANNER OF ACQUIRING A "FAMILY"

(Here give details as to how a family was acquired, whether by marriage or parents being rendered dependent or through other process like adoption).

STATEMENT

1. Name of the employed person in full.
2. Sex.
3. Religion.
4. Whether married/unmarried/widow/widower.
5. Department/Branch/Section where employed.
6. Post held with ticket number or, serial number if any.
7. Date of appointment.
8. Present address.
9. Permanent address.

Village.....Thana.....Sub-division.....
Post office.....District.....State.....

Place Signature/thumb impression of
Date the employed person

Declaration of witnesses:

Fresh nomination signed/thumb impressioned before me.

Name in full and full address and Signature of witnesses

- 1.
- 2.

Place

Date.....

Certificate by the employer.

Certified that the particulars of the above nomination been verified and recorded in register of nominations in Form E at serial No.....

Signature of the employer/
officer authorised

Place..... Designation
Date.....

Name and address of the mine
or rubber stamp thereof

Acknowledgement of the employed person

Received the duplicate copy of the nomination in Form-C filed by me and duly certified by the employer.

Signature of the employed
person

Place.....

Date.....

Note : Strik out the words and paragraph not applicable.

Form-D

[See sub-rule (6) of rule 2B]

Modification of Nomination.

To

(Give here name and address of employer together
name and full address of the mine)

I.....
(name in full here)
Whose particulars are given below hereby give notice that the nomination filed by me on.....
and recorded under your reference no.....
.....date.....No.....
dated.....shall stand modified in the
following manner :—

(Here give details of the modifications intended)

Statement

1. Name of the employed person in full.
2. Sex.
3. Religion.
4. Whether unmarried/married/widow/widower.
5. Department/Branch/Section where employed.
6. Post held with ticket number or serial number, if any.
7. Date of appointment.
8. Present address.
9. Permanent address.

Village.....Thana.....Sub-division.....
Post office.....District.....State.....

Place..... Signature/thumb impression of
Date the employed person.)

Declaration by witnesses :

Modification of nomination signed/thumb impressioned before
me.

Name in full and full address of
witnesses

Signature of
Witnesses

1.

2.

Place.....

Date.....

Certificate by the employer:

Certified that the above modifications have been recorded and entered into in register of nominations in Form-E at serial No.....

Place..... Signature of the employee or officer authorised
Date..... Designation
Name and address of the mine or rubber stamp thereof.

Acknowledgement by the employed person:

Received the duplicate copy of the notice for modifications in Form-D filed by me on duly certified by the employer.

Signature of the employed person

Place.....

Date

Note: Strike out the words not applicable.

FORM-E

[See sub-rule (1) of rule 2C]

Register of nominations

Name and address of the mine..... Name and address of the employer.....

PART—I

Serial No.	Name and complete address of the employed person	Nature of employment	Name and complete address of the nominee initially nominated in Form B with date	Name and address of the nominee subsequently nominated in Form C with date	Details of modifications if any specified in the notice of modification of the nomination given in Form D. with date	Remarks
1	2	3	5	6	7	

PART—II

It shall contain one copy each of the nomination in Form B and as the case may be, the fresh nomination in Form C and notice of modification of nomination in Form-D in serial order indicated in Part-I.

FORM VI-A

[See sub-rule (2) of rule 19A]

From

REGISTERED

(Give here name and complete address of the employer

To

The Chief Labour Commissioner (Central)
Shram Shakti Bhawan,
Rafi Marg,
New Delhi (Pin. 110001).

Subjects:—Deposit of amount of undisbursed wages.

Sir,

As required under sub-rule (1) read with sub-rule (2) of rule 19A of the Payment of Wages (Mines) Rules, 1956, I enclose the crossed demand draft bearing No..... Dated.....

(mention the number) (Mention the date) for Rs..... (Rupees.....)

(mention the amount in figures) (mention the amount in word drawn in your favour obtained from.....)

..... (mention the name and the address of the bank) The above mentioned amounts represent all amounts payable as wages to persons employed in.....

..... (mention the name and address of the mine) which remained undisbursed because either no nomination had been made by the employed person(s) or for any persons such amounts could not be paid to the respective nominee(s)

of the employed person(s). The relevant details are furnished hereunder.

(1) Particulars of the relevant wage-period

(mention the details of the wage period)

(2) No. of cases in which all amounts payable to an employed person as wages, remained undisbursed for want of nominations

..... (mention the number of such cases).

(3) Total amounts of undisbursed wages in cases referred to in item 2 (mention the amounts in figures) Rs..... (Rupees.....) (mention the amounts in words)

(4) No. of cases in which all amounts payable to an employed person as wages, could not be paid to person(s) nominated by employed person(s).

..... (mention the number of such cases)

(5) Total amounts of undisbursed wages in cases referred to in Item 4 (mention the amounts in figures) Rs..... (Rupees.....) (mention the amounts in words)

(6) Total amounts of undisbursed wages referred to in items 3 and 5. Rs..... (mention the amounts in figures) (Rupees..... (mention the amounts in words))

Yours faithfully,

Signature of the employer/ officer authorised

Place

Designation

Dated.....

Name and address of the mine or rubber stand thereof

Copy without enclosures forwarded for information to the Regional Laboratory Commissioner (Central)..... (mention the address)

Signature of the employer/officer authorised
Place..... Designation

Dated..... Name and address of the mine or rubber stand thereof

अधिसूचना

सां. का० नि० 287(अ) :—मजदूरी संदाय (बायु परिवहन सेवा) नियम, 1968 का, जिसे इसमें आगे "उक्त नियम" कहा गया है, और संशोधन करने के लिए, कलिपय नियमों का निम्नलिखित प्रारूप, जिसे केन्द्रीय सरकार मजदूरी संदाय प्रधिनियम, 1936 (1936 का 4) की धारा 24 के साथ पठित धारा 26 की उपधारा (2) और (3) धारा प्रदल शक्तियों का प्रयोग करने हुए बनाना आहती है, उक्त अधिनियम की धारा 26 की उपधारा (5) की अपेक्षानुमार ऐसे मधी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है जिनके उक्त प्रभावित होने की संभावना है। इसके द्वारा यह सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से तीन मास की अवधि की समाप्ति के पश्चात् विचार किया जाएगा।

2. ऐसे आक्षेपों या सुझावों पर जो इस प्रकार विनिर्दिष्ट तारीख से पूर्व, उक्त प्रारूप की वायत किसी व्यक्ति से, प्राप्त होंगे, केन्द्रीय सरकार द्वारा घचार करेगी।

प्रारूप नियम

मजदूरी संदाय (बायु परिवहन रोवा) संशोधन नियम, 1983

1. इन नियमों का नाम मजदूरी संदाय (बायु परिवहन सेवा) संशोधन नियम, 1983 है।

2. मजदूरी संदाय (बायु परिवहन सेवा) नियम, 1968 के नियम 2में,—

(क) खण्ड (ग) के पश्चात्, निम्नलिखित खण्ड अंतः स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

(गग) मुख्यशम भ्रायुक्त (अन्द्रीय) से, केन्द्रीय सरकार द्वारा इस स्प में नियुक्त कोई अधिकारी अभियेत है;

(ख) खण्ड (स) के पश्चात् निम्नलिखित खण्ड अंतः स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

(सम) कुटुम्ब से अभियेत है—

(i) पुरुष नियोजित व्यक्ति के मामले में उसकी पत्नी, उसकी संतानें, आहे वे विशाहित हैं या अविवाहित, उसके आश्रित माता-पिता और उसके मृतक पुत्रों की विश्वाएं और संतानें;

(ii) स्त्री नियोजित व्यक्ति के मामले में उसका पति, उसकी संतानें, आहे वे विशाहित हैं या अविवाहित, उसके आश्रित माता-पिता और, उसके मृतक पुत्रों की विश्वाएं और संतानें

3. नियम 3 के पश्चात् निम्नलिखित नियम अंतः स्थापित किया जाएगा अर्थात् :—

3क. नामनिर्देशन—(1) यह नियोजित व्यक्ति, जो मजदूरी संदाय (बायु परिवहन सेवा) संशोधन नियम, 1983 के प्रारूप की तारीख से भीतर और वह नियोजित व्यक्ति जो उक्त नियम के प्रारूप की तारीख के पश्चात् नियोजित किया जाता है, साधारणतया ऐसी तारीख से साठ दिन से तीन दिन के भीतर, किसी व्यक्ति का नामनिर्देशन करके उसे वे सभी रकमें प्राप्त करने का अधिकार प्रदान करेगा जो ऐसे नियोजित व्यक्ति को मजदूरी के रूप में देय है किन्तु जो संदाय किए जाने से पूर्व, नियोजित व्यक्ति की मृत्यु हो जाने का कारण या उसका पता ठिकाना ज्ञात न होने के कारण उसे नहीं दी जा सकी थी या नहीं दी जा सकती है। नियोजित व्यक्ति प्ररूप क में नामनिर्देशन, करके उसकी दो प्रतियां नियोजक पर, या तो व्यक्तिगत रूप में तामील करके और उसकी प्राप्ति की उचित सीद प्राप्त करके या उसे रसीबी रजिस्ट्रीकूट डाक से भेज कर उसकी तामील करेगा :—

परन्तु नियोजक, प्ररूप क में नामनिर्देशन, ऐसे विनिर्दिष्ट अवधि के प्रवासान के पश्चात् भी, स्वीकार कर लेगा यदि उसके साथ विलम्ब के उचित आधार प्रस्तुत किए जाते हैं और इस प्रकार स्वीकृत कोई भी नामनिर्देशन मुख्यतया इस कारण प्रविधिमान्य नहीं होगा कि वह ऐसी विनिर्दिष्ट अवधि के प्रवासान के पश्चात् फाइल किया गया है।

(2) उपनियम (1) के अधीन प्ररूप ख में नामनिर्देशन पत्र की प्राप्ति से तीस दिन के भीतर नियोजक, नियोजित व्यक्ति की, नामनिर्देशन प्ररूप में यथा उल्लिखित सेवा विधिपूर्वक, बायु परिवहन सेवा के अभिलेखों के प्रति निर्देश से, सत्यापित करायगा और प्ररूप क में नामनिर्देशन पत्र की इसी प्रति, जिसे नियोजक ने या उसके द्वारा इस नियम प्राधिकृत किसी अधिकारी ने सम्बन्धतः अनुप्रमाणित किया हो, नियोजित व्यक्ति को उससे उसकी प्राप्ति की रसीद लेकर, वापस कर देगा। यह बापसी इस आत की प्रतीक होगी कि नियोजक ने नामनिर्देशन अभिलिखित कर लिया है और नामनिर्देशन की अन्य प्रति नियम 3व के उप नियम (1) में विविहि रीति में अधिलिखित और फाइल की जाएगी।

3. (3) यदि नामनिर्देशन करते समय नियोजित व्यक्ति का कोई कुटुम्ब है तो नामनिर्देशन उसके कुटुम्ब के किसी व्यक्ति के ही पक्ष में किया जाएगा यदि कोई नामनिर्देशन ऐसे किसी व्यक्ति के पक्ष में किया जाता है जो नियोजित व्यक्ति के कुटुम्ब का व्यक्ति नहीं है तो वह शून्य होगा।

(4) यदि नामनिर्देशन करते समय नियोजित व्यक्ति का कोई कुटुम्ब नहीं है तो नामनिर्देशन किसी भी व्यक्ति के पक्ष में किया जा सकता है किन्तु यदि वास्तव में नियोजित व्यक्ति का कोई कुटुम्ब बन जाता है तो ऐसा नामनिर्देशन तुरन्त शून्य हुआ समझा जाएगा और नियोजित व्यक्ति, कुटुम्ब बनने से तीन दिन के भीतर, उपनियम (1) में यथा विनिर्दिष्ट रीति में नियोजक को प्ररूप में ख में दो प्रतियां में एक नया नामनिर्देशन पत्र प्रस्तुत करेगा और तत्पश्चात् उप नियम (2) के उपबंध यथावश्यक परिवर्तनों महिन उसी प्रकार लागू होंगे भानो नामनिर्देशन उपनियम (1) के अधीन किया गया हो।

(5) यदि नामनिर्देशी की भूम्य नियोजित व्यक्ति के पूर्व हो जाती है तो नामनिर्देशी का इति नियोजित व्यक्ति को प्रतिवर्तित हो जाएगा और नियोजित व्यक्ति, नामनिर्देशी की मृत्यु के दिन से तीस दिन के अवधि के भीतर, इसमें आगे उपर्युक्त रीति में, नया नामनिर्देशन करेगा।

(6) नामनिर्देशन में उपातरण की सूचना जिसके अन्तर्गत ऐसे मामले भी हैं जिनमें नाम निर्देशिती की मूल्य नियोजित व्यक्ति से पहले हो जाती है, नियोजक को प्रलूप ग में दो प्रतियों में उपनियम (1) में विनिर्दिष्ट रीति में दो जाएंगी और तत्परतात् उपनियम (2) के उपरबंध यथावश्यक परिवर्तन सहित उसी प्रकार लागू होंगे मात्रों नामनिर्देशन उपनियम (1) के अधीन किया गया हो।

(7) नियोजित व्यक्ति किसी अप्राप्तवय व्यक्ति को नाम-निर्देशित नहीं करेगा।

(8) नामनिर्देशन, नए नामनिर्देशन या नामनिर्देशन में उपातरण की सूचना पर नियोजित व्यक्ति हस्ताक्षर करेगा और यदि वह साक्षर नहीं है तो वह उम पर अपने अंगूठे का निशान लगाएगा। ऐसे हस्ताक्षर या अंगूठे का निशान दो साक्षियों की उपस्थिति में लगाया जाएगा जो, यथा स्थिति, नामनिर्देशन, नए नामनिर्देशन या नामनिर्देशन पत्र में उपातरण की सूचना में इस भाव की एक धोषणा पर भी हस्ताक्षर करेंगे।

(9) नामनिर्देशन, नए नामनिर्देशन या नामनिर्देशन में उपातरण की सूचना उस तारीख से प्रभावी होगी जिस तारीख को वे नियोजक को प्राप्त होते हैं।

अब, नामनिर्देशन-रजिस्टर (1) नियोजक नामनिर्देशन रजिस्टर में, यथावस्था, नामनिर्देशन पत्र, नए नामनिर्देशन पत्र और नामनिर्देशन पत्रों में उपातरण की सूचनाएं अस्विकृत करेगा। इस रजिस्टर को नियोजक प्रलूप व में कालानुक्रम में रखेगा।

(2) नियोजक नामनिर्देशन रजिस्टर भव्यतत रूप में रखेगा और यथावी रूप से उसे कार्यस्थल पर रखेगा या यदि वह ऐसे रजिस्टर को कार्यस्थल पर रखने में कोई असुविधा महसूस करता है तो वह ऐसा रजिस्टर ऐसे किसी उपायकृत स्थान पर रखेगा जिसे प्रादेशिक श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) इस निमित अनुमोदित करे।

4. उक्त नियमों के नियम 8 के उपनियम (1) में, प्रत्येक रजिस्टर शब्दों के पूर्व नामनिर्देशन रजिस्टर से भिन्न शब्द जोड़ दिए जाएंगे।

5. विचारात् नियम 9 के पश्चात् निम्नलिखित नियम अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

९क. विहित प्राधिकारी—मुख्य श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) ऐसा विहित प्राधिकारी होगा जिसके पास, अधिनियम की धारा 25 क की उपचारा (1) के खण्ड (ब) के प्रधीन निकाल किए जाने के लिए अपेक्षित रकमें निकाल की जाएंगी और वह इस प्रकार निकाल की रकमों को नियम 18 वा में विहित रीति में बरतेगा।

6. नियम 18 के उपनियम (2) में, खण्ड (i) और (ii) का लोप किया जाएगा और खण्ड (iii) तथा (iv) को खण्ड (i) और (ii) के रूप में पुनः संस्थापित किया जाएगा।

7. नियम 18 के पश्चात् निम्नलिखित नियम अंतःस्थापित किए जाएंगे, अर्थात् :—

18क. प्रसंवितरित मजदूरी की रकमों का निक्षेप—

(1) यदि किसी वायु परिवहन सेवा में नियोजित व्यक्ति को मजदूरी के रूप में देय सभी रकमें इस कारण प्रसंवितरित रह जाती है कि या तो नियोजित व्यक्ति ने कोई नामनिर्देशन नहीं किया है या ऐसी रकमें केवल हो जाने की तारीख से एक वर्ष के पश्चात् तक नियोजित व्यक्ति के नामनिर्देशितों को किसी कारण-बात संबंध नहीं की जा सकी है तो नियोजक ऐसी सभी रकमें, उक्त एक वर्ष की प्रवृत्ति के अंतिम दिन के पश्चात् से पन्द्रह दिन के प्रवृत्ति के पश्चात् से पूर्व नियोजक मुख्य श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) के पास निकाल कर देगा।

(2) नियोजक उपनियम (1) में निर्दिष्ट रकमें मुख्य श्रम आयुक्त (केन्द्रीय), नई विली के पक्ष में भारत में किसी अनुग्रहित श्रंक से प्राप्त ऋमहर्ष मांग देय ड्राफट द्वारा नियोजित करेगा और ऐसा मांगदेय ड्राफट नियोजक मुख्य श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) को, प्रलूप व में सुसंगत व्यापारों के साथ, रजिस्ट्रीकृत लाक से भेजेगा और उसके साथ ही उसकी एक प्रति संबंधित प्रादेशिक श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) को भी भेजेगा।

18-ख रकमों को बरतने की रीति :—

(1) मुख्य श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) नियम 18 क के अधीन नियोजित रकमों का उपयोग ऐसे उपायों के संबंध में उपगत व्ययों को पूरा करने के लिए करेगा जो उसकी राय में वायु परिवहन सेवा में नियोजित व्यक्तियों के कल्याण की अभिवृद्धि करने के लिए आवश्यक या समीचीन हैं और विशिष्टम् उनका उपयोग वायु परिवहन सेवा में नियोजित व्यक्तियों के फायदे के लिए निम्नलिखित कार्यों पर करेगा, अर्थात् :—

- (i) शैक्षिक मुविधाओं की व्यवस्था और सुधार;
- (ii) आमोद-प्रमोद से संबंधित मुविधाओं की व्यवस्था और सुधार;
- (iii) परिवार नियोजन और परिवार कल्याण की व्यवस्था और सुधार;
- (iv) व्यावसायिक प्रणिकाश तथा अशक्ता और विकलांग व्यक्तियों के पुनर्विसन की व्यवस्था और सुधार;
- (v) परिवहन मुविधाओं की व्यवस्था और सुधार।

(2) किसी वायु परिवहन सेवा के संबंध में नियोजक द्वारा या किसी वायु परिवहन सेवा में नियोजित व्यक्तियों के देसे व्यवसाय संघ द्वारा जो व्यवसाय संघ अधिनियम, 1926 के अधीन रजिस्ट्रीकृत है, उपनियम (1) में निर्दिष्ट उपायों के संबंध में उपगत व्यय की संबंधित व्यक्ति को प्रतिपूर्ति, मुख्य श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) स्विवेकानुमार, पूर्णतः या भागतः कर सकता है परन्तु यह नव जब उसका यह समाधान हो जाए कि सवधित व्यक्ति ने ऐसा व्यय उपनियम (1) में विनिर्दिष्ट किसी सद्भावित प्रयोजन के लिए ही बस्तुतः उपगत किया है।

8. उक्त नियमों के प्रलूप 8 में,—

(क) मद 3 के खण्ड (क), (ख) और (ग) तत्रा मद 4 और 5 में प्रयुक्त “4,00” अंकों के स्थान पर “1,600” अंक रखे जाएंगे;

(ख) मद 7 के पश्चात् निम्नलिखित मद अंतःस्थापित की जाएंगी, अर्थात् :—

8. मुख्य श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) के पास नियोजित प्रसंवितरित मजदूरी के मामलों की संख्या और रकम :

1,600 रु० प्रति मास से कम पाने वाले व्यक्ति

मामलों की संख्या	रकम
------------------	-----

(क) वे मामले जिनमें नामनिर्देशन न होने के कारण मजदूरियां प्रसंवितरित रह गई हैं।

(ख) वे मामले जिनमें मजदूरियां, नियोजित व्यक्ति (व्यक्तियों) द्वारा नामनिर्देशित व्यक्ति (व्यक्तियों) को किसी कारण-बात संबंध नहीं की जा सकी है।

9. उक्त नियमों के प्रलूप 11 में,—

(क) मद 1 में, 400 अंकों के स्थान पर, 1600 अंक रखे जाएंगे;

(क) मद 9 की उपमद (2) के खण्ड (क) में, "प्रति स्थाया तो ऐसे" शब्दों के स्थान पर उस मजदूरी अवधि के सबध में जिसमें जुमाना अधिरोपित किया गया है, उसे देय मजदूरी के 9 प्रतिशत साल रखे जायेंगे ।

(ग) मद 12 में, केन्द्रीय सरकार शब्दों के पश्चात् या मुख्य श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) शब्द और कोष्ठक जोड़ दिए जाएंगे ।

(घ) मद 12 के पश्चात् निम्नलिखित मद अंत स्थापित की जाएगी, अधित् :—

12-क नियोजित अवक्ति के लिखित प्राधिकार से ऐसी किसी निधि में जो या तो नियोजक ने या अवसाय सध अधिनियम, 1926 के अधीन रजिस्ट्रीफ्लूट किसी अवसाय सब ने, नियोजित अवक्तियों या उनके कुटन्य के सबस्यों या दोनों के कल्याण के लिए गठित की है और जिसे केन्द्रीय सरकार ने या इस निमित उसके द्वारा विनिर्दिष्ट किसी अधिकारी ने अनुमोदित किया है, उसके अधिदान के सदाय के लिए कटौतिया, ऐसे अनुमोदन के बने रहने के दौरान वी जा सकती है,

(इ) मद 14 के पश्चात् निम्नलिखित मद अंत स्थापित की जाएगी, अधित् :—

14-क नियोजित अवक्ति के लिखित प्राधिकार से, अवसाय सध अधिनियम, 1926 के अधीन रजिस्ट्रीफ्लूट किसी अवसाय संघ की सदस्यता के लिए नियोजित अवक्ति द्वारा देय फीसों के सदाय के लिए, कटौतिया की जा सकती है;

(च) मद 15 में, केन्द्रीय सरकार शब्दों के पश्चात् या मुख्य श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) शब्द और कोष्ठक जोड़ दिए जाएंगे,

(छ) मद 19 के पश्चात् निम्नलिखित शब्द और मदें अंत स्थापित की जाएगी, अधित् :—

असवितरित मजदूरी का सदाय

19-क (1) यदि मजदूरी के रूप में किसी नियोजित अवक्ति को देय सभी रकमों का संदाय, ऐसे संदाय से पूर्व नियोजित अवक्ति की मृत्यु हो जाने के कारण या उसका पता छिकाना जान न होने के कारण नहीं किया जा सकता है या नहीं किया जा सकता है तो ऐसी रकम का सदाय उस अवक्ति को कर दिया जाएगा जिसे ऐसे नियोजित अवक्ति ने इस निमित नामनिर्देशन किया है।

(2) यदि मजदूरी इस कारण असवितरित रह जाती है कि नियोजित अवक्ति ने कोई नामनिर्देशन नहीं किया है या ऐसी रकमे नियोजित अवक्ति के नाम निर्देशिती को, ऐसी रकमों के देय होने की सारीब से एक वर्ष के अवसान के पश्चात् तक, संवत नहीं की जा सकती है, तो नियोजक ऐसी असवितरित मजदूरी की सभी रकमे उक्त एक वर्ष की अवधि के अंतिम दिन के पश्चात् से 15 दिन के अवसान से पूर्व नियोजक मुख्य श्रम आयुक्त (केन्द्रीय), नई दिल्ली के पास निश्चिप्त कर देगा ।

निश्चिप्त रकमों को बरतने की रीत

19-ख (1) मुख्य श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) अपने पास निश्चिप्त असवितरित मजदूरी की रकमों का उपयोग ऐसे उपायों के सबध में अवय को पूरा करने के लिए करेगा जो वायु परिवहन सेवा के किसी स्थापनों में नियोजित अवक्तियों

के कल्याण की अभिवृद्धि करने के लिए किए जाते हैं और विनिष्टत उनका उपयोग वायु परिवहन सेवा के किसी स्थापनों में नियोजित अवक्तियों के फायदे के लिए किए गए उपायों के खर्च को, उवाहरणार्थ, नियोजित अवक्तियों की शिक्षा प्राप्तीव-प्रमोश और परिवहन सुविधाओं, परिवार नियोजन और परिवार कल्याण, व्यावसायिक प्रणिकाण और प्रशक्त तथा विकलांग अवक्तियों के पुनर्वास की अवस्था और सुधार कार्य के खर्च को पूरा करने के लिए किया जाएगा ।

(2) कि वायु परिवहन सेवा या वायु परिवहन सेवा के सबध में किसी स्थापन में नियोजित अवक्तियों के किसी ऐसे अवसाय सध के सबध में, जो अवसाय सध अधिनियम, 1926 के अधीन रजिस्ट्रीफ्लूट है, किसी नियोजक द्वारा इस प्रकार उपगत अवय की सबधित अवक्ति को प्रतिपूर्ति मुख्य श्रम आयुक्त (केन्द्रीय), स्वविवेकानन्दर पूर्णत या भागत कर सकता है ।

[संख्या एस-31012/8/82-डब्ल्यू०सी० (पी० डब्ल्यू०)]

प्रलूप क

[नियम 3-क का उपनियम (1) विषिए]

नामनिर्देशन

सेवा में,

(यहां स्थापन का नाम और पूरे पते के साथ तथा नियोजक का नाम और पता दीजिए)

मेरे पाते का विवरण (पूरा नाम)

मेरी दी गई है, नीचे उल्लिखित अवक्ति का नामनिर्देशन, मजदूरी के रूप में मुझे देय सभी रकमे उस दशा में प्राप्त करने के लिए गर्व है जब ऐसी रकम, उन के सदाय से पूर्व मेरी मृत्यु हो जाने के कारण या मेरा पता छिकाना जान न होने के कारण ऐसी रकमे मझे सदाय नहीं की जा सकती है या सदाय नहीं की जा सकती है ।

2 मेरे प्रमाणित करता हूँ कि जिस अवक्ति का मैंने नामनिर्देशन किया है वह मजदूरी संदाय (वायु परिवहन सेवा) नियम, 1968 के नियम 2 मेरे खण्ड (प्राप्ति) के अधिन्तर्गत मेरे कुटुम्ब का सदाय है ।

3 मेरे घोषणा करता हूँ कि उक्त नियमों के नियम 2 के खण्ड (प्राप्ति) के अधिन्तर्गत मेरा कोई कुटुम्ब नहीं है और यदि भविष्य मेरे मेरा कोई कुटुम्ब बन जाता है तो उक्त नामनिर्देशन शून्य हो जाएगा और उस दशा में मैं प्रलूप खंड मेरे एक नया नामनिर्देशन करूँगा ।

4. (क) मेरे पिता/माता/माता-पिता सुझ पर आश्रित नहीं है ।

(ख) मेरे पति के पिता/माता/माता-पिता मेरे पति पर आश्रित नहीं है ।

नामनिर्देशिती

नामनिर्देशिती का नाम और नियोजित अवक्तियों के साथ नामनिर्देशिती की वायु पता नामनिर्देशिती की नातेदारी

1	2	3
1.		
2.		
3.		

विवरण

1. नियोजित व्यक्ति का पूरा नाम
2. लिंग
3. धर्म
4. क्या अविवाहित/विवाहित/विवाहिता/विवृत है ।
5. उस विभाग (शाखा) अनुभाग का नाम जिसमें नियोजित है
6. धारित पद तथा निकट संबंधित या अम संबंधीक, यदि कोई है ।
7. नियुक्ति की तारीख
8. वर्तमान पता :
9. स्थायी पता :

प्राम याना
उप-दण्ड जिला राज्य

स्थान नियोजित व्यक्ति के हस्ताक्षर
तारीख अंगूठे का निशान

साक्षियों द्वारा घोषणा

नामनिर्देशन पर मेरे समझ हस्ताक्षर किए गए अंगूठे का निशान
लगाया गया ।

निम्नलिखित का पूरा नाम और पता :— मालियों के हस्ताक्षर

- 1.
- 2.

स्थान
तारीख

नियोजक का प्रमाणपत्र

प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्त नामनिर्देशन को विशिष्टियों
का सत्यापन कर लिया गया है और उन्हें क्रम संबंधित
पर प्रत्येक वर्ष में नामनिर्देशन रजिस्टर में अभिलिखित कर लिया गया है ।

नियोजक (प्राधिकृत अधिकारी के
हस्ताक्षर)

स्थान
तारीख पत्तनाम
स्थापन का नाम और पता या उत्की
रबड़ भुदा

नियोजित व्यक्ति की अभिस्वीकृति

मेरे द्वारा प्रत्येक के में फाइल किए गए नामनिर्देशन की द्वितीय
प्रति जिसे नियोजक ने सम्मिलित प्रमाणित किया है, मैंने प्राप्त की ।

स्थान नियोजित व्यक्ति के हस्ताक्षर
तारीख

टिप्पणी—जो सम्बद्ध या पैरा लागू नहीं होते हैं उन्हें काट दीजिए ।

प्रकृत-ना

[नियम 3(क) का उपनियम (4) देखिए]

यथा नामनिर्देशन

सेवा में

(यहां स्थापन के नाम और पूरे पते सहित नियोजक का नाम और
पता दीजिए)

मेरे का जिसकी विशिष्टियों नीचे विवरण
(पूरा नाम)

मैं दी गई हैं, यह कथन करता हूँ कि मजबूरी संदाय (वाला परिवहन
सेवा) नियम, 1968 के नियम 2 के अन्त (सप्त) के अर्थ में नीचे
उपलिखित रीति में तारीख से मेरा कुटुम्ब बन
गया है । अतः मैं नीचे उल्लिखित व्यक्ति का नाम नामनिर्देशन, मजदूरी
के रूप में मुझे देय सभी रकमों उस वशा में प्राप्त करने के लिए करता
हूँ जब ऐसी रकमें, उनके रकमों के संदाय से हैं पूर्व मेरी मृत्यु हो जाने
के कारण या मेरा पता ठिकाना जात न होने के कारण मुझे संदत न की
जा सकी है या संदत नहीं की जा सकती है ।

2. मैं प्रमाणित करता हूँ कि जिस व्यक्ति का मैंने नामनिर्देशन किया
है वह उक्त नियमों के नियम 2 के अन्त (सप्त) के अर्थ में मेरे कुटुम्ब
का सदस्य है ।

3. (क) मेरे माता/पिता-माता मुम्ब पर आश्रित नहीं हैं ।

(ब) मेरे पति के पिता माता/माता-पिता मेरे पति आश्रित नहीं
है ।

नाम-निर्देशिती

नामनिर्देशिती का नाम	नियोजित व्यक्तियों के साथ नामनिर्देशिती की
और पता	नामनिर्देशिती की नाम-आगु दारी

1	2	3
---	---	---

कुटुम्ब बन जाने की रीति

(यहां इस बाबत द्वारे दीजिए कि कुटुम्ब किस प्रकार बना है अथवा,
विवाह द्वारा या माता-पिता के आश्रित हो जाने के कारण या दत्तक
प्रहण जैसी किसी अन्य प्रक्रिया के कारण)

विवरण

1. नियोजित व्यक्ति का पूरा नाम :

2. लिंग :

3. धर्म :

4. क्या अविवाहित (विवाहित) विवाहिता/विवृत है :

5. उस विभाग (शाखा) अनुभाग का नाम जिसमें नियोजित है

6. धारित पद तथा टिकट संबंधीक या अम संबंधीक, यदि कोई है :

7. नियुक्ति की तारीख:

8. वर्तमान पता:

9. स्थायी पता:

प्राम याना उप-दण्ड	जिला राज्य
बाकचाना	

स्थान	नियोजित व्यक्ति के हस्ताक्षर/अंगूठे का निशान
तारीख	

साक्षिया द्वारा घोषणा

नए नामनिर्देशन पर मेरे गमक्ष हस्ताक्षर किए गए। अंगूठे का निशान लगाया गया।

निम्नलिखित का पूरा नाम और पता : साक्षियों के हस्ताक्षर

1. 1.
2. 2.

स्थान —————

तारीख —————

नियोजक का प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्त नामनिर्देश की विशिष्टियों का सत्यापन कर लिया गया है और उन्हें कम संख्याक 1 — पर, प्ररूप ए में नामनिर्देशन रजिस्टर में, अभिलिखित कर लिया गया है।

नियोजक प्राधिकृत अधिकारी के हस्ताक्षर
पदनाम

स्थापन का नाम और पता या
उसकी रबड़ मुद्रा

स्थान —————

तारीख —————

नियोजित व्यक्ति की अभिस्वीकृति

मेरे द्वारा प्ररूप ए में फाइल किए गए नामनिर्देशन की द्वितीय प्रति, जिसे नियोजक ने सम्प्रक्तः प्रमाणित किया है, मैंने प्राप्त की।

नियोजित व्यक्ति के हस्ताक्षर

स्थान —————

तारीख —————

टिप्पण — जो शब्द या पैरा लागू नहीं होते हैं, उन्हें काट दीजिए।

प्ररूप ग

[नियम 3 क का उपनियम (6) देखिए]

नामनिर्देशन का उपान्तरण

सेवा में

(यहाँ स्थापन के नाम और पूरे पते सहित नियोजक का नाम और पता लिखिए)

मैं जिसकी विशिष्टियों की जैवी

(पूरा नाम)

गई है, सूचना देता हूँ कि मैंने जो नामनिर्देशन तारीख को फाइल किया है और जिसे आपके निर्देश संख्या पर तारीख को अभिलेख में प्रक्षिप्त किया गया है, उसमें निम्नलिखित रूप में उपान्तरित किए जाएंगे :

(यहाँ आशयित उपान्तरणों के और दीजिए)

विवरण

1. नियोजित व्यक्ति का पूरा नाम :
2. लिंग :
3. धर्म :
4. क्या अधिवाहित (विवाहित/विवाहित) विष्वर है :
5. उस विवाह (शादी) अनुभाग का नाम जिसमें नियोजित है :
6. धारित पद का टिकट संख्याक या क्रम संख्याक, यदि कोई है ।
7. नियुक्ति की तारीख
8. वर्तमान पता :
9. स्थायी पता :

ग्राम थाना उपखण्ड
ज़िला राज्य
स्थान नियोजित व्यक्ति के हस्ताक्षर/अंगूठे के निशान
तारीख
.....

साक्षियों द्वारा घोषणा

उपान्तरित नामनिर्देशन पर मेरे समक्ष हस्ताक्षर किए गए अंगूठे का निशान लगाया गया ।

निम्नलिखित का पूरा नाम और पता : साक्षियों के हस्ताक्षर :

- 1.
- 2.

स्थान
तारीख

नियोजक का प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्त उपान्तरण अभिनिवित कर लिए गए हैं और उन्हें प्ररूप ए में नामनिर्देशन रजिस्टर में कम संख्याक 1 पर अभिलिखित और प्रक्षिप्त कर दिया गया है।

नियोजक/प्राधिकृत अधिकारी के
हस्ताक्षर
पदनाम

स्थापन का नाम और पता या
उसकी रबड़ मुद्रा

स्थान

तारीख

नियोजित व्यक्ति की अभिस्वीकृति

मेरे द्वारा प्ररूप ग में फाइल किए गए नामनिर्देशन की द्वितीय प्रति, जिसे नियोजक ने सम्प्रक्तः प्रमाणित किया है, मैंने प्राप्त की।

नियोजित व्यक्ति के हस्ताक्षर

स्थान

तारीख

टिप्पण — जो शब्द या पैरा लागू नहीं होते हैं, उन्हें काट दीजिए।

प्रकृष्ट ग

[नियम 3 वा का उपनियम (1) देखिए]

नामनिर्देशन रजिस्टर

स्थापना का नाम और पता नियोजक का नाम और पता

भाग-1

क्रम सं० नियोजित व्यक्ति का नियोजन की नाम और पूरा पता प्रकृष्टि

प्रकृष्टि के प्रारम्भ में नाम- निर्देशित किए गए नाम- निर्देशित का नाम और पूरा पता तारीख

प्रकृष्टि ग में किए गए नाम- टिप्पणियाँ किए गए पश्चात् वर्षी नाम निर्देशन के उपास्तरण वी सूचनाओं में विविषिष्ट उपास्तरणों के, परिवर्ती हैं, और और तारीख

1

2

3

4

5

6

7

भाग-II

इसमें प्रकृष्टि के किए गए प्रत्येक नामनिर्देशन, प्रकृष्टि ग में किए गए प्रत्येक नए नामनिर्देशन तथा प्रकृष्टि ग में नामनिर्देशन में किए गए उपास्तरण की सूचना की एक-एक प्रति भाग I में उपदर्शित क्रम के अनुसार हैगी ।

प्रकृष्टि

[नियम 18क का उपनियम (2) देखिए]

प्रेषक :

रजिस्ट्रीकरण

(यहाँ नियोजक का नाम और पूरा पता दीजिए)

सेवा में

मुख्य अम आयुर्वेद (केन्द्रीय)
श्रम शक्ति बबन, रफी मार्ग,
नई विल्सन-110001

विवरण—प्रभावितरित मजदूरी की रकम का लिखेप

वहाँवय,

मजदूरी सेवाय (बायु परिवहन सेवा) नियम, 1968 के नियम 18क के उपनियम (2) के साथ पठित उपनियम (1) के प्रधीन तथा अपेक्षित रूप में आपके पश्च

(वैक का नाम और पता लिखिए)

में अभिप्राप्त रु० का त्राम मांगेत्रय
(प्रकृष्टि में) (शब्दों में)क्रापट सेवा तारीख
(रु० का उल्लेख दीजिए)

संकलन करता हूँ । (तारीख का उल्लेख दीजिए)

अबर उपिलिस रकम के रकमें है जो

(स्थापन का नाम और पता लिखिए)

में नियोजित व्यक्तियों को मजदूरी के रूप में देप है तथा जो नियंत्रित व्यक्ति (व्यक्तियों) द्वारा नामनिर्देशन न किए जाने के कारण या किसी अन्य कारणवश, नियोजित व्यक्ति (व्यक्तियों) के अपने-आपने नाम-निर्देशिती (नाम निर्देशितियों) को ऐसी रकम संदर्भ न की जा सकने के कारण, असंवितरित रह गई है। सुरक्षा व्याप्रे नीचे दिए गए हैं:—

1. सुरक्षा मजदूरी अवधि की विविधियाँ
(मजदूरी अवधि के व्याप्रे दीजिए)

2. ऐसे मामलों की संख्या जिनमें नामनिर्देशन न होने के कारण नियोजित व्यक्ति को मजदूरी के रूप में देय सभी रकमें असंवितरित रह गई है

(ऐसे मामले की संख्या दीजिए)

3. मव 2 में निविष्ट मामलों में असंवितरित मजदूरियों की कुल रकम

रु० (प्रकृष्टि में) (शब्दों में)

4. ऐसे मामलों की संख्या जिनमें मजदूरीके रूप में किसी नियोजित व्यक्ति को देय सभी रकमें, नियोजित व्यक्ति (व्यक्तियों) द्वारा नामनिर्देशित व्यक्ति (व्यक्तियों) को संदर्भ नहीं की जा सकी है:

5. मव 4 में निविष्ट मामलों में ही असंवितरित मजदूरी की कुल रकम

रु० (प्रकृष्टि में) (शब्दों में)

6. मव 3 और 5 में निविष्ट अवधिवितरित मजदूरी की कुल रकम

रु० (प्रकृष्टि में) (शब्दों में)

स्थान
तारीखप्राधिकृत अधिकारी के हस्ताक्षर
पत्राभ्याम, स्थापन का नाम और पता
या उसकी रबड़ मुद्रा

एक प्रति जिसके साथ संलग्नक नहीं है, जानकारी के लिए प्रावेशिक अम आयुर्वेद (केन्द्रीय) को अप्रेवित की गई ।

(पता)
नियोजक/प्राधिकृत अधिकारी के
हस्ताक्षर
पदनामस्थापन का नाम और पता या
उसकी रबड़ मुद्रास्थान
तारीख

NOTIFICATION

G.S.R. 287(E).—The following draft of certain rules further to amend the Payment of Wages (Air Transport Services) Rules 1968 hereinafter referred to as the said rules, which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by sub-section (2) and (3) of section 26 read with section 24 of the Payment of Wages Act 1936 (4 of 1936) is hereby published as required by sub-section (5) of section 26 of the said Act for information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration after the expiry of three months from the date of the publication of this notification in the official gazette.

2. Any objection or suggestion which may be received from any person on the receipt of the said draft before the date so specified will be considered by the Central Government.

DRAFT RULES

Payment of Wages (Air Transport Services) Amendment Rules 1983.

(1) These rules may be called the Payment of Wages (Air Transport Services) Amendment Rules 1983.

(2) In rule 2 of the Payment of Wages (Air Transport Services) Rules 1968, “(a) after clause (c), the following shall be inserted, namely: “(cc) ‘Chief Labour Commissioner (Central)’ means an officer appointed as such by the Central Government;”

(b) after the clause (l), the following clause shall be inserted, namely: “(ii) “family” means—

(i) in case of a male employed person, his wife, his children, whether married or unmarried, his dependent parents and deceased sons’ widows’ and children;

(ii) in case of a female employed person, her husband, her children, whether married or unmarried, her dependent parents, her husband’s dependent parents and her deceased sons’ widows’ and children”.

3. After rule 3, the following rules shall be inserted, namely:—

“3A. Nominations. (1) in case an employed person is already in employment on the date of commencement of the Payment of Wages (Air Transport Services) Amendment Rules 1983 ordinarily within 60 days from such date, and in case an employed person has been employed after the date of the commencement of the said rules, ordinarily within 30 days from the day he is employed shall nominate a person conferring on him the right to receive all amounts payable to him as wages, if such amounts could not or can not be paid on account of his death before the payment or on account of his whereabouts not being known. The nomination shall be in Form A and submitted in duplicate by the employed person by personal service, after taking proper receipt thereof or by sending through registered post with acknowledgement due to the employer.

Provided that nomination in Form A shall be accepted by the employer even after the expiry of the specified period if filed with reasonable grounds for delay and no nomination so accepted shall be invalid mainly because it was filed after the expiry of the specified period.

(2) Within 30 days from the receipt of the nomination in Form A under sub-rule (1), the employer shall get the service particulars of the employed person as mentioned in the form of nomination, verified with reference to records of the Air Transport Services and returned to the employed person after obtaining a receipt thereof, the duplicate copy of the nomination in Form A duly attested either by the employer or an officer authorised in this behalf by him as a token of recording of the nomination by the employer and the other copy of the nomination shall be recorded and filed in the manner prescribed in sub-rule (1) of rule 3B.

(3) If an employed person has a family at the time of making a nomination, the nomination shall be in favour of a per-

son belonging to his family. Any nomination made by such employed person in favour of a person not belonging to his family shall be void.

(4) If at the time of making a nomination, the employed person has no family, the nomination may be made in favour of any person but as soon as the employed person subsequently acquires a family, such nomination shall forthwith be deemed to be void and the employed person shall, within 30 days of acquiring a family, submit in the manner as specified in sub-rule (1) a fresh nomination in duplicate in Form B to the employer and thereafter the provisions of sub-rule (2) shall apply mutatis mutandis, as if it was made under sub-rule (1).

(5) If the nominee predeceases an employed person, the interest of the nominee shall revert to the employed person who shall within a period of 30 days from the death of the nominee make a fresh nomination in the manner hereinafter provided for.

(6) A notice of modification of a nomination including cases where a nominee pre-deceases an employed person shall be submitted in duplicate in Form C to the employer in the manner specified in sub-rule (1) and thereafter the provisions of sub-rule (2) shall apply mutatis mutandis as if it was made under sub-rule (1).

(7) The employed person shall not nominate a person who is a minor.

(8) A nomination or a fresh nomination or a notice of modification of nomination shall be signed by the employed person or if illiterate, bear his thumb impression in the presence of two witnesses who shall also sign a declaration to that effect in the nomination fresh nomination or a notice of modification of nomination as the case may be.

(9) A nomination, a fresh nomination or a notice of modification of nomination shall take effect from the date of receipt thereof by the employer.

3B. Register of nominations.—(1) The employer shall record and file all nominations, fresh nominations and notices of modification of nominations as the case may be in the register of nominations which shall be maintained chronologically by the employer in Form D.

(2) The register of nominations shall be maintained by the employer up-to-date and kept permanently at the worksite or where the employer experiences difficulty in keeping them at the worksite, at any other suitable place as may be approved by the Regional Labour Commissioner (Central) in this behalf.

4. In sub-rule (1) of rule 8 of the said rules, after the words ‘Every register’, the words ‘other than register of nominations’ shall be added;

5. After rule 9, the following rule shall be inserted, namely:—

“9A. Prescribed authority.—The Chief Labour Commissioner (Central) shall be the prescribed authority with whom amounts required to be deposited under clause (b) of sub-section (1) of section 25A of the Act shall be deposited and who shall deal with the amounts so deposited in the manner prescribed in rule 18B”.

6. In sub-rule (2) of rule 18, the clauses (i) and (ii) shall be deleted and the existing clauses (iii) and (iv) shall be re-numbered as clauses (i) and (ii) respectively.

7. After rule 18, the following rule shall be inserted, namely:—

“18A Deposit of amounts of undisbursed wages—

(1) Where all amounts payable as wages to a person employed in an establishment in relation to air transport services remains undisbursed because either no nomination has been made by the employed person or for any reason, such amounts could not be paid to the nominee of the employed person until the expiry of one year from the date the same

had become payable, all such amounts shall be deposited by the employer with the Chief Labour Commissioner (Central) before the expiry of the fifteenth day after the last day of the said period of one year.

(2) The amounts referred to in sub-rule (1) shall be deposited by the employer through crossed demand draft obtained from any Scheduled Bank in India drawn in favour of the Chief Labour Commissioner (Central), New Delhi and such Demand Draft shall be submitted by the employer to the Chief Labour Commissioner (Central) together with relevant details in Form E by registered post simultaneously endorsing its copy of the Regional Labour Commissioner (Central) concerned.

18B. Manner of dealing with the amounts.—(1) The amounts deposited under rule 18A shall be applied by the Chief Labour Commissioner (Central) to meet the expenditure incurred in connection with the measures which in his opinion are necessary or expedient to promote the welfare of persons employed in an establishment in relation to air transport services and in particular to defray the cost of measures for the benefit of persons employed in establishments in relation to air transport services directed towards,

- (i) the provision and improvement of educational facilities;
- (ii) the provision and improvement of recreational facilities;
- (iii) the provision and improvement of family welfare including family planning;
- (iv) the provision and improvement of vocational training, rehabilitation of disabled and handicapped persons; and
- (v) the provision and improvement of transport facilities.

(2) The expenditure incurred in connection with the measures referred to in sub-rule (1) either by an employer in relation to air transport services or a trade union registered under the Trade Unions Act 1926, of persons employed in air transport services may be reimbursed to the person concerned by the Chief Labour Commissioner (Central) either wholly or partly at his discretion provided he is satisfied that the expenditure has actually been incurred by that person for the bonafide purpose as specified in sub-rule (1)"

8. In Form VIII of the said rules,—(a) for the figures "400" appearing at items 3(a), (b) and (c) and items 4 and 5, the figures, "1,600" shall be substituted;

(b) after item 7, the following item shall be inserted namely :—

"8 No. of cases and amount of undisbursed wages deposited with the Chief Labour Commissioner (Central) :

Persons receiving less than Rs. 1,600 per month

No. of cases.	Amount

- (a) Cases in which wages remained undisbursed for want of nomination.
- (b) Cases in which wages could not be paid to persons nominated by the employed person (—) for any reason

9. In Form XI of the said rules,—In item 1, for the figures, "400" the figures, "1,600" shall be substituted;

(b) in clause (a) of sub-item (2) of item 9, for the words, "naye paisa in the rupee", the words, 'per cent of the wages payable to him in respect of that wage period in which fine is imposed" shall be substituted;

(c) in item 12, after the words, "Central Government", the words and brackets, "or the Chief Labour Commissioner (Central)" shall be added;

(d) after item 12, the following item shall be inserted, namely :—

"12A. Deductions can be made with the written authorisation of the employed person for payment of his contribution to any fund constituted by the employer or a trade union registered under the Trade Unions Act, 1926 for the welfare of the employed persons or the members of their families or both and approved by the Central Government or any officer specified it in this behalf during the continuance of such approval;"

(e) After item 14, the following item shall be inserted, namely :—

"14A. Deductions can be made with the written authorisation of the employed person for payment of fees payable by him for the membership of any trade union registered under the Trade Unions Act, 1926;"

(f) in item 15, after the words, "approved by the Central Government", the words and the brackets, "or the Chief Labour Commissioner (Central)" shall be added;

(g) after item 19, the following words and items shall be inserted, namely :—

"19A. Payment of undisbursed wages.—(1) If all amounts payable to an employed person as wages could not or cannot be paid on account of his death before payment or on account of his whereabouts not being known shall be paid to the person nominated by him in this behalf.

(2) Where wages remain undisbursed because either no nomination had been made by the employed person or for any reason, such amounts could not be paid to the nominee of the employed person until the expiry of one year from the date the same had become payable, all amounts of such undisbursed wages, shall be deposited by the employer with the Chief Labour Commissioner (Central) New Delhi, before the expiry of the fifteenth day after the last day of the said period of one year.

19B. Manner of dealing with deposited amounts.—(1) The amounts of undisbursed wages deposited with the Chief Labour Commissioner (Central) shall be applied by him to meet the expenditure in connection with the measures to promote the welfare of persons employed in establishments in relation to air transport services particularly to defray the cost of measures for the benefit of persons employed in establishments in relation to air transport services such as the provision and improvement of educational, recreational and transport facilities, family welfare including family planning, vocational training and rehabilitation of disabled and handicapped persons.

(2) The expenditure so incurred either by an employer in relation to air transport services of a trade union of persons employed in an establishment in relation to air transport services, registered under the Trade Unions Act 1926 may be reimbursed to the person concerned by the Chief Labour Commissioner (Central) either wholly or partly at his discretion.

FORM A

[See sub-rule (1) of rule 3A]

NOMINATION

To

(Give here name and address of employer together with name and full address of the establishment).

I,
(name in full here)

whose particulars are given in the statement below, hereby nominate the person mentioned below to receive all amounts payable to me as wages, if such amounts could not or cannot be paid on account of my death before the payment or on account of my whereabouts not being known.

2. I hereby certify that the person nominated by me is a member of my family within the meaning of clause (ii) of rule 2 of the Payment of Wages (Air Transport Services) Rules, 1968.

3. I hereby declare that I have no family within the meaning of clause (ii) of rule 2 of the said rules and should I acquire a family hereafter, the above nomination shall be void and in that event I shall make a fresh nomination in Form B.

4. (a) My father/mother/parents is/are not dependent upon me.

(b) My husband's father/mother/parents is/are not dependent on my husband.

Nominee

Name and address of the nominee	Nominee's relationship with the employed person	Age of nominee
1	2	3

Statement

1. Name of the employed person in full.

2. Sex

3. Religion

4. Whether unmarried/married/widow/widower

5. Department/Branch/Section where employed

6. Post held with ticket No. or serial No, if any

7. Date of appointment

8. Present address

9. Permanent address

Village Thanna Sub-division

Post office District State

Place Signature/thumb-impression of

Date the employed person.

Declaration by witnesses.

Nomination signed/thumb-impressed before me.

Name in full and full address of Signature of witness.

1. 1.

2. 2.

Place

Date

Certificate by the employer

Certified that the particulars of the above nomination have been verified and recorded in the register of nominations in Form D at serial No.

Signature of the employer/officer authorised.

Place Designation

Date Name and address of the establishment or rubber Stamp

Acknowledgement of the employed person.

Received the duplicate copy of nomination in Form A field by me and duly certified by the employer.

Place Date Signature of the employed persons

Note : Strike out the words and paragraphs not applicable.

FORM B

[See sub-rule (4) of rule 3A]

Fresh nomination

To

Give here name and address of employer together with name and full address of the establishment).

I,
(name in full here)

whose particulars are given in the statement below have acquired a family within the meaning of clause (ii) of rule 2 of the Payment of Wages (Air Transport Services) Rules 1968 with effect from (date here) (in the manner indicated below and therefore nominate a fresh the person mentioned below to receive all amounts payable to me as wages, if such amounts could not or cannot be paid on account of my death before the payment or on account of my whereabouts not being known.

2. I hereby certify that the person nominated by me is a member of my family within the meaning of clause (ii) of rule 2 of the said rules.

3. (a) My father/mother/parents is/are not dependent upon me.

(b) My husband's father/mother/parents is/are not dependent on my husband.

Nominee

Name and address of the nominee	Nominee's relationship with the employed person	Age of nominee
1	2	3

Manner of acquiring a "family"

(here give details as to how a family was acquired, i.e. whether by marriage or parents being rendered dependent or through other process like adoption)

Statement

1. Name of the employed person in full

2. Sex

3. Religion

4. Whether married/unmarried/widow/widower

5. Department/Branch/Section where employed
6. Post held with ticket No. or, serial No., if any
7. Date of appointment
8. Present address
9. Permanent address

Village..... Thana..... Sub-division.....

Date..... District..... State.....

Place..... Signature/thumb-impression of the employed person.

Declaration of witnesses

Fresh nominations signed/thumb-impressioned before me
Name in full and full address of Signaute of witnesses

1. 1.
2. 2.

Place.....

Date.....

Certificate by the employer

Certified that the particulars of the above nomination have been verified and recorded in register of nominations in Form D at serial No.....

Signature of the employer/officer authorised.

Designation.

Place..... Name and address of the establishment

Date..... Establishment or rubber stamp thereof

Acknowledgement of the employed person.

Received the duplicate copy of the nomination in Form B filed by me and duly certified by the employer.

Place..... Signature of the employed person

Date.....

Note : Strike out the words and paragraph not applicable.

FORM C

[See sub-rule (6) of rule 3A]

Modification of nomination

To

(Give here name and address of employer together with name and full address of the establishment).

I,.....

(name in full here)

Whose particulars are given below hereby give notice that the nomination filed by me on.....and recorded under your

reference No.....(date)..... shall stand modified in the following manner:—

(Here give details of the modifications intended)

Statement

1. Name of the employed person in full
2. Sex
3. Religion
4. Whether married/unmarried/widow/widower
5. Department/Branch/Section where employed
6. Post held with ticket No.; or serial No. if any
7. Date of appointment
8. Present address
9. Permanent address

Village..... Thana..... Sub-division.....
Post office..... District..... State.....

Place..... Signature/thumb impression of the employed person.

Declaration by witnesses

Modification of nomination signed/thumb-impressioned before me

Name in full and full address of Signature of witnesses

1. 1.
2. 2.

Place.....

Date.....

Certificate by the employer.

Certified that the above modifications have been recorded and entered into In register of nominations in Form D at serial No.....

Signature of the employer/officer authorised.

Place.....

Date.....

Name and address of the Establishment or rubber stamp thereof.

Acknowledgement by the employed person

Received the duplicate copy of the notice for modification in Form C filed by me on.... duly certified by the employer.

Signature of the employed person

Place.....

Date.....

Note : Strike out the word s not applicable

FORM D

[See sub-rule (1) of rule 3B]

Register of nominations

Name and Address of the establishment..... Name and address of the employers

PART-I

Sl. No.	Name and complete address of the employed person	Nature of employment	Name and complete address of the nominees initially nominated in Form A, with date.	Name and address of the nominee subsequently nominated in Form B with date	Details of modification, if any, specified in the notices of modification of the nomination given in Form C with date.	Remarks
1	2	3	4	5	6	7

PART-II

It shall contain one copy each of the nomination in Form-A and, as the case may be, the fresh nomination in Form-B and notice of modification of nomination in Form-C in serial order indicated in part-I.

FORM E

[See sub-rule (2) of rule 18A]

REGISTERED

From:

(Give here name and complete address of the employer).

To

The Chief Labour Commissioner (Central)
Shram Shakti Bhawan,
Raj Marg,
New Delhi (pin : 110001)

Sub : Deposit of amounts of undisbursed wages.

Sir,

As required under sub-rule (1) read with sub-rule (2) of rule 18A of the Payment of Wages (Air Transport Services) Rules, 1968 I enclose the crossed Demand draft bearing No dated (mention the number (mention the date) for Rs Rupees (Mention the amount in figures) (mention the amounts in words) drawn in your favour obtained from (mention the name and address of the bank)

The above mentioned amounts represent all amounts payable as wages to persons employed in (mention the name and address of the establishment) which remained undisbursed because either no nomination had been made by the employed person(s) or for any reasons such amounts could not be paid to the respective nominee(s) of the person(s). The relevant details are furnished hereunder:

(1) Particulars of the relevant wage period (mention the details of the wage period)

2. No. of cases in which all amounts payable to an employed person as wages, remained undisbursed for want of nomination. (mention the number of such cases)

3. Total amounts of undisbursed wages in cases referred to in item 2 : Rs. (Rupees...) (mention the amounts in figures) (mention the amounts in words)

4. No. of cases in which all amounts payable to an employed person wages could not be paid to person(s) nominated by employed person(s) (mention the number of such cases)

5. Total amounts of undisbursed wages in cases referred to in item 4 : Rs. (Rupees...) (mention the amounts in figures) (mention the amounts in words)

6. Total amounts of undisbursed wages referred to in items 3 and 5 : Rs. (Rupees...) (mention the amounts in figures) (mention the amounts in words)

..... your's faithfully
Signature of the employer/officer authorised

Place:

Date

Name and address of the establishment or (राज्य संस्था) of
thereof.

Copy without enclosures forwarded for information to the
Regional Labour Commissioner (Central)

(mention address)

Signature of the employer/
officer authorisedPlace
DatedDesignation
Name and address of the establishment or rubber stamp thereof

प्रधिकारी

सं. कान. निं. 288(अ) — मंजदूरी सदाय (रेल) नियम, 1938 का, जिसे इसमें आगे "उक्त नियम" कहा गया है, और मनोधन करने के लिए, कलिपय नियमों का निम्नलिखित प्राप्त त्रिमों के लिए संचार मंजदूरी सदाय प्रधिनियम, 1936 (1936 का 4) की धारा 24 के माध्यम से उक्त धारा 26 की उपस्थान (2) और (3) द्वारा प्रदत्त अधिकारी का प्रयोग करते हुए, बनाना चाही है, उक्त प्रधिनियम की धारा 26 की उपस्थान (5) की प्राप्तिकानसार ऐसे तभी अधिकारी की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है जिनके उम्मे प्रधिकारित होने की समावना है। इसके द्वारा वह सूचना भी जाती है कि उक्त प्राप्त वर्ग इस प्रधिमूचन के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से तीस मास की प्रधिकारी के समाप्ति के पश्चात, विचार किया जायगा।

2 ऐसे अधिकारी या सूचना पर जो इस प्रकार विनिर्दिष्ट तारीख से पूर्व, उक्त प्राप्त वर्ग संबंधित किसी अधिकारी के प्राप्त होते, केसीद सरकार विचार करेगी।

प्राप्त नियम

मंजदूरी सदाय (रेल) मनोधन नियम, 1943

1 इन नियमों का नाम मंजदूरी सदाय (रेल) मनोधन, नियम, 1943 है।

2 मंजदूरी सदाय (रेल) मनोधन नियम, 1939 के नियम 2 में—

(क) बण्ड (छ) के पश्चात निम्नलिखित बारे यथाधित किया जाएगा, अर्थात् —

(छ) "कुटुम्ब" में अभिव्रत है,

(1) पुरुष नियोजित अधिकारी के मामले में उक्ती पत्नी उक्ती सनाने, आठ वेद विवाहित हैं या अविवाहित, उक्ते अधिकारी माना पिता या उक्तके मृतक पुत्रों की विवाहाएँ और सनाने,

(2) स्त्री नियोजित अधिकारी के मामले में उक्ता पति, उक्ती सनाने, आठ वेद विवाहित हैं या अविवाहित, उक्ता अधिकारी माना पिता, उक्ते पति के अधिकारी माना पिता और उक्तके मृतक पुत्रों की विवाहाएँ और सनाने।"

"2क नामनिर्देशन (1) वह नियोजित अधिकारी जो मंजदूरी सदाय (रेल) मनोधन नियम, 1943 के प्राप्त वर्ग की तारीख का नियोजित व्यक्ति जो उक्त नियम के प्राप्त वर्ग की नामनिर्देशन के पश्चात नियोजित किया जाता है, मानारणतया ऐसी तारीख से साठ विन के भीतर और वह नियोजित व्यक्ति जो उक्त नियम के प्राप्त वर्ग की नामनिर्देशन के भीतर, किसी अधिकारी का नामनिर्देशन करके उसे वे सभी रकम प्राप्त करने का अधिकार प्रदान करेगा जो ऐसे नियोजित व्यक्ति को मंजदूरी के रूप में दिय है किम्बु जो मंदाय किए जाने के पूर्व, नियोजित व्यक्ति की मृत्यु हो जाती है जाने के प्राप्त वर्ग में उसे प्रतियोगी में, उपनियम (2) के उपर्युक्त व्यवाहारिक परिवर्तनी लिहित उसी प्रकार लागू होगे मानो नामनिर्देशन उपनियम (1) के अधीन किया गया हो।

मृप में तामील करके और उसकी प्राप्ति की उक्ति र्सीद प्राप्त करके या उसे रसीदी गजिस्ट्रीकॉर्ट द्वारा मैत्र वर उम्मको नामील बेतनदाता पर करेगा।

परन्तु बेतनदाता, प्रकल्प के नाम निर्देशन, ऐसे विनिर्दिष्ट अधिकारी के भवान के पश्चात भी, स्वीकार कर लेगा यदि उसमें साथ विवर के उचित आधार प्रमुख किए जाने हैं और इस प्रकार स्वीकृत कोई भी नामनिर्देशन मूल्यन्वय इस कारण अधिकारीन्वय नहीं होगा कि वह एसी विनिर्दिष्ट अधिकारी के प्रबन्धक के पश्चात फाइल किया गया है।

(2) उपनियम (1) के प्रधीन प्रकल्प के नामनिर्देशन की प्राप्ति वे तीस दिन ले भीतर बेतनदाता, नियोजित व्यक्ति की, नामनिर्देशन प्रकल्प में उक्त उनियोजित सेवा विविधिया, तेवें अधिकारी के प्रति निर्देशन में सत्यापित कराएगा और प्रकल्प के नामनिर्देशन की दूसरी प्रति जिसे बेतनदाता ने या उसके द्वारा इस नियिल प्राप्तिकूल किसी अधिकारी ने सम्बन्धित कराएगा और प्रकल्प के नामनिर्देशन की दूसरी प्रति जिसे बेतनदाता ने या उसके द्वारा इस नियिल प्राप्तिकूल किसी अधिकारी ने सम्बन्धित कराएगा तो विवर की व्यक्ति को, उसमें प्राप्ति की गंभीर सेवर बापस कर देगा। यह बापसी इस बाब की प्रत्येक होनी कि बेतनदाता अ नामनिर्देशन अधिकारीन्वय कर लिया है और नामनिर्देशन की अम्ब अति नियम 2क के उपनियम (1) में विहित रीति में अधिकारीन्वय और काइल की जाएगी।

(3) यदि नामनिर्देशन करते समय नियोजित व्यक्ति का कोई कुटुम्ब है तो नामनिर्देशन उसके कुटुम्ब के किसी व्यक्ति के ही पक्ष में किया जाएगा। यदि कोई नामनिर्देशन ऐसे किसी व्यक्ति के ही पक्ष में किया जाता है तो नियोजित व्यक्ति के कुटुम्ब का व्यक्ति नहीं है तो वह शून्य होगा।

(4) यदि नामनिर्देशन करते समय नियोजित व्यक्ति का कोई कुटुम्ब नहीं है तो नामनिर्देशन किसी भी अधिकारी के पक्ष में किया जा सकता है किम्बु यदि वाब में नियोजित व्यक्ति का कोई कुटुम्ब बन जाता है तो ऐसा नामनिर्देशन तुरन्त शून्य बुझा समझा जाएगा और नियोजित व्यक्ति, कुटुम्ब बनते से तीन विन के भीतर, उपनियम (1) में व्याप्रितिरिष्ट गीति अ बेतनदाता की प्रकल्प वर्ग में वी प्रतियोगी में एक नका नामनिर्देशन प्रस्तुत करेगा और सत्याप्तान उपनियम (2) के उपर्युक्त व्यवाहारिक परिवर्तनी लिहित उसी प्रकार लागू होगे मानो नामनिर्देशन उपनियम (1) के अधीन किया गया हो।

(5) यदि नामनिर्देशन की शून्य नियोजित व्यक्ति के पूर्व हो जाती है तो नामनिर्देशन की व्यक्ति की व्यक्ति की प्रतिवर्तन हो जाएगा। और नियोजित व्यक्ति नामनिर्देशन की शून्य वे विन से तीस दिन की अधिकारी के भीतर इसमें आगे उपवधिनि रीति, म नया नामनिर्देशन करेगा।

(6) नामनिर्देशन में उपान्तरण की सूचना जिसके अल्पतर ऐसे मामले भी हैं जिसमें नामनिर्देशन की शून्य नियोजित व्यक्ति में पहले ही जाती है, सूचना वेतनदाता का प्रकल्प वर्ग में वी प्रतियोगी में, उपनियम (1) में विनिर्दिष्ट रीति, में वी जाएगी और सत्याप्तान उपनियम (2) के उपर्युक्त व्यवाहारिक परिवर्तनी लिहित उसी प्रकार लागू होगे मानो नामनिर्देशन उपनियम (1) के अधीन किया गया हो।

(7) नियोजित व्यक्ति किसी व्यक्ति की व्यक्ति को नामनिर्देशन नहीं करेगा।

(8) नामनिर्देशन, नए नामनिर्देशन वा नामनिर्देशन में उपान्तरण की सूचना पर नियोजित व्यक्ति हस्ताक्षर करेगा यदि वह साक्षर नहीं है तो वह उस पर अपने अपूर्ण का निशान लगाएगा। ऐसे हस्ताक्षर या अपूर्ण का निशान वी साक्षियों की उपस्थिति में लगाया जाएगा जो, यथाविधिन, नामनिर्देशन, नए नामनिर्देशन वा नामनिर्देशन में उपान्तरण की सूचना में इस बाब की एक व्यवस्था पर भी हस्ताक्षर करेगे।

(9) नामनिर्देशन, नए नामनिर्देशन वा नामनिर्देशन में उपान्तरण की सूचना उस तारीख में प्रभावी होगी जिस तारीख को वे बेतनदाता

उपर्युक्त नामनिर्देशन रजिस्टर (1) बेतनदाता नामनिर्देशन रजिस्टर में दर्शायित, नामनिर्देशन पत्र, नामनिर्देशन पत्र और नामनिर्देशन उपनियम की सूचनाएं अधिनियमित और काइस करेगा। बेतनदाता इस रजिस्टर की प्रौढ़ पक्ष में कालानुक्रम में रखेगा।

(2) बेतनदाता नामनिर्देशन रजिस्टर अचलम रूप में रखेगा और स्थायी रूप से उसे कार्यस्थल पर रखेगा और यदि वह उसे रजिस्टर को कार्यस्थल पर रखने में कोई असुविधा महसूस करता है तो वह ऐसा रजिस्टर ऐसे किसी उपयुक्त स्थान पर रखेगा जिसे प्रादेशिक श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) इस निमित्त अनुमोदित करे।

(3) नाम निर्देशन रजिस्टर प्रमाणतया अपेक्षी में रखा जाएगा, किन्तु यदि वह अपेक्षी से भिन्न किसी भाषा में रखा जाता है तो अपेक्षी में उसका मही अनुवाद भी उपलब्ध कराया जाएगा।

4. विद्यमान नियम 9 के उपनियम (1) के रूप में तुन: संक्षाकित किया जाएगा और निम्नलिखित उप नियम 9 के उप नियम (2) के रूप में अंतः स्थापित किया जाएगा अर्थात्—

“2(क) मुख्य श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) ऐसा विद्वित अधिकारी होगा जिसके पास अधिनियम की धारा 25 की उपधारा (1) के बाएँ (ब) के अधीन नियोजित किए जाने के लिए अपेक्षित रकमें नियोजित की जाएंगी और वह इस प्रकार नियोजित रकमों को नियम 18 का में विद्वित गिरि में बरतेगा।”

5. नियम 18 के पश्चात निम्नलिखित नियम अंतःस्थापित किए जाएंगे अर्थात्—

“18क अंतःवितरित मजदूरी की रकम का नियोजन—

(1) यदि किसी ऐसे बेतनदाता नियोजित अधिकारी को मजदूरी के रूप में देव सभी रकमें इस कारण अंतःवितरित रह जाती है कि या तो नियोजित व्यक्ति ने कोई नामनिर्देशन नहीं किया है यह ऐसी रकमें देय हो जाने की तारीख से एक वर्ष के पश्चात नक नियोजित व्यक्ति के नाम निर्देशिती की किसी कारणबश संदर्भ नहीं की जा सकी है तो ऐसी सभी रकमें उक्त एक वर्ष की अवधि के अंतिम दिन के पश्चात से पन्द्रह दिन के अवधान से सूची नियोजक मुख्य आयुक्त (केन्द्रीय) के पास नियोजित कर देगा।

(2) बेतनदाता उपनियम (1) में निर्दिष्ट रकमें मुख्य श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) नई दिल्ली के पक्ष में भारत में किसी अनुसूचित अंक से प्राप्त क्रास्ट मांग देय ड्राफ्ट हारा नियोजन करेगा और ऐसा मांगदेय ड्राफ्ट मुख्य श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) को प्रौढ़ 6 में सुनिश्चित के माध्यम रजिस्ट्रीकॉन ड्राफ्ट से भेजेगा और उसके साथ ही उसकी एक प्रति संबंधित प्रावेशिक श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) को भी भेजेगा।

18क. रकमों को बरतने की रीति :

(1) मुख्य श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) नियम 18 के अधीन नियोजित रकमों का उपयोग ऐसे उपायों के संबंध में उपगत व्ययों की पूरा करने लिए करेगा जो उसकी राय में रेल में नियोजित व्यक्तियों के कल्याण की अभिवृद्धि करने के लिए अवश्यक या समीचीन हैं और विलियन: उनका उपयोग ऐसे में नियोजित व्यक्तियों के कायदे के लिए निम्नलिखित कार्यों पर करेगा अर्थात्—

- व्यक्तिक सुविधाओं की व्यवस्था और मुधार;
- आयोद-प्रमोद में संबंधित सुविधाओं की व्यवस्था और मुधार;
- परिवार नियोजन और परिवार कल्याण की व्यवस्था और मुधार;

(iv) व्याख्यायिक प्रक्रियान तथा अधिक और विकासी व्यक्तियों के पुनर्जीवन की व्यवस्था और मुधार;

(v) परिवहन सुविधाओं की व्यवस्था और मुधार।

(2) किसी ऐसे के संबंध में नियोजित व्यक्तियों के ऐसे व्यवसाय संबंध आयुक्तियम 1926 के अधीन रजिस्ट्रीकॉन है बेतनदाता उपनियम (1) में निर्दिष्ट उपायों के संबंध में उपगत व्यय की संबंधित व्यक्ति को प्रतिपूति व्यवस्था श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) स्वविवेकानुसार पूर्णतः भागतः कर सकता है परम्परा यह तब जब उसका समाप्तित हो जाए कि संबंधित व्यक्ति ने ऐसा व्यय उपनियम (1) में विविध विकासी सद्व्यवस्था प्रयोजन के लिए ही बस्तुतः उपगत किया है।

8. उक्त नियमों के प्रौढ़ 3 में—

(क) मद 3(ग) और मद 5 में प्रत्युत “1000” अंकों के स्थान पर “1600” अंक रखे जायेंगे;

(ब) मद 7 के पश्चात निम्नलिखित मद अंत स्थापित की जाएगी अर्थात्—

8. मुख्य श्रम आयुक्त (केन्द्रीय) के पास नियोजित अंतःवितरित मजदूरी के मामलों की संख्या और रकम :

1600 अंक माल से कम पास दाले व्यक्ति

मामलों की रकम तथा

(क) वे मामले जिनमें नाम—नियोजन नहीं के कारण मजदूरी अंतःवितरित रह गई है।

(ब) वे मामले जिनमें मजदूरी नियोजित व्यक्ति (व्यक्तियों) द्वारा नाम-निर्देशन व्यक्ति (व्यक्तियों) को किसी कारणबश संदर्भ नहीं की जा सकी है।

7. उक्त नियमों के प्रौढ़ 4 में—

(क) मद 1 में “400” अंकों के स्थान पर “1600” अंक रखे जायेंगे।

(ब) मद 9 की उपमत्र (2) के बाद

(क) में “प्रति रुपये अद्य आने” गद्दों के स्थान पर “उम मजदूरी अवधि के संबंध में जिसमें जुर्मान अधिगोपित किया गया है, उसे देव मजदूरियों के प्रतिशत” शब्द रखे जायेंगे;

(ग) मद 12 में, “केन्द्रीय मनकार” शब्दों के पश्चात “या मुख्य श्रम आयुक्त केन्द्रीय” शब्द और कोण्ठक जोड़ दिए जायेंगे;

(घ) मद 12 के पश्चात निम्नलिखित मद अंतःस्थापित की जाएगी अर्थात्—

“12-क. नियोजित व्यक्ति के लिये प्राधिकार में ऐसी किसी नियम में जो या तो बेतनदाता या व्यवसाय संबंध अधिनियम 1926 के अधीन रजिस्ट्रीकॉन किसी व्यवसाय संबंध ने, नियोजित व्यक्तियों या उसके कुटुम्ब के ददयों या दोनों के कल्याण के लिए गठित की है और जिसे केन्द्रीय मनकार ने या इस नियमित उसके द्वारा विनियिष्ट किसी अधिकारी ने अनुमोदित किया है, उसके अधिकार के सदाचार के लिए काटोलियों ऐसे अनुमोदन के बने रहने के पौरान की जा सकती है।

(इ) मद 14 के पश्चात नियोजित भव संवत्ता अंतःस्थापित की ।
जाएगी, अर्थात् :—

“14क नियोजित व्यक्ति के विवित प्राधिकार से, व्यवसाय संघ अधिनियम 1926 के अधीन रजिस्ट्रेशन किसी व्यवसाय भव की सवास्ता के लिए नियोजित व्यक्ति द्वारा देय कीमों के मंदाय के लिए कटौतियाँ की जा सकती है ;”

(च) मद 15 में, “केन्द्रीय सरकार” शब्दों के पश्चात् “या मुख्य थम आयुक्त (केन्द्रीय)” शब्द और कोण्ठक जोड़ दिए जाएंगे ;

(छ) मद 19 के पश्चात् नियोजित शब्द और मद अंतःस्थापित की जाएंगी, अर्थात्—

“अमंत्रित भवदूरी का संघाय”

19.क (1) यदि भवदूरियों के रूप में किसी नियोजित व्यक्ति को देय रकमों का संघाय, ऐसे संघाय से पूर्व नियोजित व्यक्ति की मृत्यु हो जाने के कारण या उसका पता ठिकाना जात नहोने के कारण या सकाना है तो ऐसी रकमों का संघाय उस व्यक्ति को कर दिया जाएगा किसे ऐसे नियोजित व्यक्ति ने इस नियमित नामसंदर्भित किया है।

(2) यदि भवदूरी इस कारण असंक्षिप्त रह जाती है कि नियोजित व्यक्ति ने कोई नामसंदर्भित नहीं किया है या ऐसी रकमें नियोजित व्यक्ति के नाम नियोजिती को, ऐसी रकमों के देय होने को तारीख से एक वर्ष के अवसान के पश्चात् नक, संघाय नहीं की जा सकी है सो वेनवदाता ऐसी अमंत्रित भवदूरियों की सभी रकमें उक्त एक वर्ष की अवधि के अतिम दिन के पश्चात् में 15 दिन के अवसान से पूर्व, मुख्य थम आयुक्त (केन्द्रीय) नई दिली के पास नियक्त कर देगा ।

नियोजित रकमों को बरतने की रुलि

19.क (1) मुख्य थम आयुक्त (केन्द्रीय) अपने पास नियोजित असंक्षिप्त भवदूरियों की रकमों का उपयोग ऐसे उपायों से संबंधित व्यय को पूरा करने के लिए करेगा जो ऐसे के किसी स्थापनों में नियोजित व्यक्तियों के काल्पनिक की अभिवृद्धि के लिए किए जाते हैं और विधिष्ठतः उनका उपयोग ऐसों में नियोजित व्यक्तियों के काल्पनिक के लिए किए गए उपायों, उदाहरणार्थ, नियोजित व्यक्तियों की विकास, अमोन-प्रसोद और परिवहन सुविधाओं, परिवार नियोजन सहित परिवार कल्याण, व्यवसायिक प्रणिति और अग्रणी तथा विकासी व्यक्तियों के पुनर्वास की व्यवस्था और विकास कार्य के खर्च को पूरा करने के लिए किया जाएगा ।

(2) किसी रेल या किसी रेल में नियोजित व्यक्तियों के किसी ऐसे व्यवसाय संघ के संबंध में, जो व्यवसाय यथा अधिनियम, 1926 के अधीन रजिस्ट्रेशन है, किसी वेनवदाता द्वारा इस प्रकार उपगत व्यय की संबंधित व्यक्ति को प्रतिपूति मुख्य थम आयुक्त (केन्द्रीय), व्यवसेकानुसार पूर्णतः या मात्रा कर सकता है ।

[नं० एम० 31012/9/82डल्लू०सी० (पी०डल्लू०)]

विषयपूर्ण नाम, अवर मंत्रिव

प्रादृष्टक

[नियम 2 वा का उपनियम (1) वेदिए]

नाम निर्देशन

भेवा में

(यहाँ वेनवदाता का नाम और पता लिजिए)

मेरे जिसकी विधिष्ठता नीचे विवरण में दी गई है, (पूरा नाम)

नीचे उल्लिखित व्यक्ति का नाम निर्देशन, भवदूरी के रूप में मुख्य देय सभी रकमें उम व्यय में आतं करने के लिए करता है जब ऐसी रकमें, उनके वंदय से पूर्व ऐसी मृत्यु हो जाने के कारण या मेंग पता ठिकाना जान न होने के कारण मुख्य संवत्त नहीं की जा सकती है या वंदन नहीं की जा सकती है ।

2. मेरे प्रमाणित करता है कि जिस व्यक्ति का मैंने नाम निर्देशन किया है वह भवदूरी सवाय (रेल) नियम, 1938 के नियम 2 के खण्ड (छठ) के अर्थ में भेरे कुटुम्ब का सदस्य है ।

3. मैं आधारणा करता हूँ कि उनके नियमों के नियम 2 के खण्ड (छठ) के अर्थ में भेरा कोई कुटुम्ब नहीं है और यदि भविष्य में भेरा कोई कुटुम्ब बन जाता है तो उनका नाम निर्देशन शुल्क हो जाएगा और उम व्यय में मैं प्रहर ख से एक नया नाम निर्देशन करूँगा ।

4. (क) भेरे पिता/माता/माता-पिता मुख्य पर आधिक नहीं हैं ।

(ख) भेरे पति के भिता/माता/पिता में पति पर आधिक नहीं है ।

नाम-निर्देशिती

नाम निर्देशिती का नाम	नियोजित व्यक्तियों के माप नाम निर्देशिती की
और पता	नाम निर्देशिती की नामांकनी आपु

1	2	3
---	---	---

विवरण

1. नियोजित व्यक्ति का पूरा नाम

2. लिंग

3. धर्म

4. क्षा अविकाहित/विवाहित/विधवा/विधुर है

5. उम विभाग (शास्त्रा) अनुभाव का नाम जिसमें नियोजित है ।

6. धारित पद तथा टिकट संख्यांक का क्रम संख्यांक, यदि कोई है ।

7. नियुक्ति की तारीख

8. कर्तवान पता :

9. स्थायी पता :

ग्राम पाना उपखण्ड

जाकाना जिला राज्य

स्थान

तारीख

नियोजित व्यक्ति के हस्ताक्षर/अंगूठे का

साक्षियों द्वारा घोषणा

नाम निर्वैक्षण पर मेरे समझ हस्ताक्षर किए गए/अंगूठे का निशान लगाया गया।

निम्नलिखित का पूरा नाम और पता

साक्षियों के हस्ताक्षर

1.

1.

2.

2.

स्थान :

तारीख :

बेतनदाता का प्रमाणान्तर

ब्राह्मणिक किया जाता है कि उपरोक्त उपास्तरण अधिनियमित करलिए गए हैं और इन पर प्रहृष्ट पर में नाम निर्वैक्षण के रजिस्टर में त्रैम संख्याक अधिनियमित कर लिया गया है।

बेतनदाता प्राधिकृत अधिकारी के हस्ताक्षर

स्थान :

तारीख :

पद नाम

बेतनदाता का नाम और पता या उसकी रक्खा-मुद्रा

नियोजित अधिकृत की अधिकृतीकृति

मेरे द्वारा प्रहृष्ट क में फाइल किए गए नामनिर्वैक्षण की वित्तीय प्रति, जिसे बेतनदाता ने सम्मक्तः प्रमाणित किया है, मैंने प्राप्त की।

स्थान :

नियोजित अधिकृत के हस्ताक्षर

तारीख :

टिप्पणी—ओहार या पैरा सागू नहीं होते हैं उन्हें काट दीजिए।

प्रहृष्ट का

[नियम 2 (क) का उपचियम (4) देखिए]

नया नामनिर्वैक्षण

सेवा में

(यह बेतनदाता का नाम और पता दीजिए)

मेरे द्वारा जिसकी विविधता सेवे के विवरण
(पूरा नाम)

वी गई है, यह कल्पन करता हूँ कि मझदूरी संवाद (रेल), नियम, 1938
नियम 2 के बाब्द (सभा) के अर्थ में नीचे उपशिष्ट रीसी में —

— तारीख से मेरा शुद्ध बन गया है।
मैं नीचे उल्लिखित अधिकृत का नया नामनिर्वैक्षण, मझदूरी के रूप
मुहूर्त देय सभी रकमें उस वक्ता में प्राप्त करने के लिए करता हूँ जब
रकमें, उनके रकमों के संदर्भ से पूर्व मेरी मुस्तू हो जाने के कारण या
मेरा पता छिकाया शर्त न होने के कारण मुझ संदर्भ न की जा सकता
न संदर्भ नहीं की जा सकती है।

2. मेरे द्वारा करता हूँ कि जिस अधिकृत का मेरे नामनिर्वैक्षण किया है
वह उन्हें नियमों के नियम 2 के बाब्द (सभा) के अर्थ में मेरे
का सदस्य है।

(क) मेरे माता पिता / माता-पिता मुक्त पर आकृत नहीं है;
(ख) मेरे पति के पिता / माता / माता-पिता मेरे पति पर आकृत

नामनिर्वैक्षणी

नामनिर्वैक्षणी का नाम और पता	नियोजित अधिकृतों के नामनिर्वैक्षणी की आधु साध नामनिर्वैक्षणी की नामनिर्वैक्षणी
1.	2.
2.	3.

कुटुम्ब बन जाने की रीति

(वहाँ इस बाबत ब्यौरे दीजिए कि कुटुम्ब किस प्रकार बना है अर्थात्
विवाह द्वारा या माता पिता के अधिकृत हो जाने के कारण या दक्षक
प्रहृष्ट जीसी किसी अन्य प्रक्रिया के कारण)

विवरण

1. नियोजित अधिकृत का पूर्य नाम

2. लिंग

3. वर्ष

4. या अधिकाहित / विवाहित / विवेचन / विधुर है

5. उस विभाग (आवास) अनुभाग का नाम जिसमें नियोजित है

6. वारित पद तथा टिकट संबंधी या कर नामक ग्राम जादे है

7. नियुक्ति की तारीख

8. वर्तमान पता

9. स्थायी पता

स्थान :

स्थान :

उपर्युक्त :

वाक्यान्तर :

प्रस्ताव :

राज्य :

नियोजित अधिकृत के हस्ताक्षर / अंगूठे
का निशान

स्थान :

तारीख :

साक्षियों द्वारा घोषणा

मेरे नामनिर्वैक्षण पर मेरे समझ हस्ताक्षर किए गए / अंगूठे का निशान
लगाया गया।

निम्नलिखित का पूरा नाम और पता नामनिर्वैक्षण

1.

2.

स्थान :

तारीख :

वेतनदाता प्रमाणपत्र

प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्त नामनिर्देशन के विविधियों का संयोग कर लिया गया है और उन्हें कम संक्षेप पर, प्रस्तुत व में नामनिर्देशन रजिस्टर में अभिलिखित कर लिया गया है।

वेतनदाता प्राधिकृत अधिकारी के
हस्ताक्षर पत्रनाम
स्थान का नाम और पता या
उसको रखने वाले मुद्रा

स्थान

तारीख

नियोजित व्यक्ति को अधिसूचित

मेरे द्वारा प्रस्तुत ग में फाईल किए गए नामनिर्देशन को द्वितीय प्रति, जिसे वेतनदाता ने सम्पूर्ण प्रमाणित किया है, मैंने प्राप्त की स्थान

नियोजित व्यक्ति के हस्ताक्षर

तारीख

टिप्पणी जो मम्ब या पैरा लालू नहीं होते हैं, उन्हें काट दीजिए।

[प्रस्तुत ग]

[नियम 2 का उपनियम (6) देखिए]

नामनिर्देशन का उपान्तरण

सेवा में

(यहा वेतनदाता का नाम और तारीख)

मैं ————— जिसकी विविधिया नीचे दी गई है, सूचना (पूरा नाम)

देता हूँ कि मैंने जो नामनिर्देशन तारीख ————— को फाईल किया है और जिसे आपने निर्वैश सं० ————— पर तारीख ————— को अभिलिखित किया गया है, उसमें निम्नलिखित रूप में उपान्तरण किए जाएँगे :

(यहा आशयित उपान्तरणों के बारे दीजिए)

विवरण

1. नियोजित व्यक्ति का पूरा नाम
2. लिंग
3. धर्म
4. क्या अविवाहित / विवाहित/विवशा / विवृत है
5. उस विभाग (याक्षा अनुसार) का नाम जिसमें नियोजित है

प्रकृत ग

[नियम 3 वा का उपनियम (1) देखिए]

नाम निर्देशन रजिस्टर

स्थायपत्र का नाम और पता

भाग-1

कम नियोजित व्यक्ति का नियोजित की प्रकृत ग में प्रारम्भ में साम- स० नाम और पूरा पता प्रकृति

निर्वैशित किए गए नाम- निर्वैशित किए गए नाम- निर्वैशित के उपान्तरण की निर्देशिती का नाम और पूरा निर्देशिती का नाम और पूरा निर्देशित उपान्तरण के, यदि कोई है, पूरा पता तथा तारीख सूचनाओं में विविध उपान्तरण के, यदि कोई है, व्यौरे और तारीख

1 2 3 4

5 6 7

भाग 2

यथास्थिति इसमें प्रकृत ग में किए गए प्रत्येक नामनिर्देशन प्रकृत ग में किए गए प्रत्येक लए नाम निर्देशन तथा प्रकृत ग में नामनिर्देशन में किए गए अपान्तरण की एक-एक प्रति, भाग 1 में उपर्याप्त कम के, अनुकार होंगी।

6. धारित पद का टिकड संहारक या कम संवर्धक, यदि कोई है

7. नियुक्ति की तारीख

8. बर्तमान पता

9. स्थायी पता

ग्राम ————— जात —————

उपजात ————— जातक्षण —————

जिला ————— राज्य —————

स्थान —————

नियोजित व्यक्ति के हस्ताक्षर/ ब्रूड का निश्चय

साक्षियों द्वारा शोषणा

उपान्तरण नाम निर्देशन पर मेरे मनम हस्ताक्षर हिए गए ब्रूड का निश्चय लगाया गया।

निम्नलिखित का पूरा नाम और पता साक्षियों के हस्ताक्षर

1. ————— 1

2. ————— 2

स्थान —————

तारीख —————

वेतनदाता का प्रमाणपत्र

प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्त उपान्तरण अभिलिखित कर दिए गए हैं और उन्हें प्रस्तुत ग में नामनिर्देशन रजिस्टर में कम संडाहन हैं एवं पर अभिलिखित और प्रविष्ट कर दिया गया है।

वेतनदाता/ प्राधिकृत अधिकारी के हस्ताक्षर

पत्रनाम

स्थान का नाम और पता या रखड मुद्रा

स्थान

तारीख

नियोजित व्यक्ति को अभिसूचित

मेरे द्वारा प्रस्तुत ग में फाईल किए गए माननिर्देशन से त्रितीय प्रति, जिसे वेतनदाता ने सम्पूर्ण प्रमाणित किया है, मैंने प्राप्त की।

नियोजित व्यक्ति के हस्ताक्षर

स्थान

तारीख

टिप्पणी— जो मम्ब या पैरा लालू नहीं होते हैं उन्हें काट दीजिए।

वेतनदाता का नाम और पता

प्रृष्ठ क

[नियम 18 का उपनियम (2) देखिए]

प्रेषक :

(यहाँ बेतनदाता का नाम और पूरा पता लिखिए)

सेवा में

मुख्य अम आयुक्त (केन्द्रीय)
अम अधिकारी भवन, रेली मार्ग,
महि दिल्ली - 110001

विषयः— असंचितरित मजदूरी की रकम का नियमेप

महोदय,

मजदूरी संदाय (रेल) नियम, 1938 के नियम 18 के उपनियम (2) के साथ पठित उपनियम (1) के अधीन यथा अपेक्षित रूप में में—

— से आपके पता में अधिग्राह्य —
(बैंक का नाम और पता लिखिए) (अंकों में)— रूपये का क्रास भौगवेय ट्राफट सं—
(शब्दों में) (सं का उल्लेख कीजिए)

तारीख — संलग्न फरता है

(तारीख का उल्लेख कीजिए)

उपर उल्लिखित रकमें वे रकम हैं जो—
(स्थापन का नाम और पता लिखिए)

में नियोजित अधिकारियों को मजदूरी के रूप में देय है तथा जो नियोजित अधिकारी (अधिकारियों) द्वारा नामनिर्देशन न किए जाने के कारण या किसी अन्य कारणकारण नियोजित अधिकारी (अधिकारियों) के अपने अपने नामनिर्देशित (नामनिर्देशितायों) को ऐसी रकम संदर्भ न की जा सकने के कारण असंचितरित रह गई है। मुस़गत अधिकारी भी यह बिंदु गणे हैं:—

1. सुरंगत मजदूरी अवधि की
विविधिया (मजदूरी अवधि के अधीर दीजिए)2. ऐसे मामलों की संख्या जिनमें
नामनिर्देशन न होने के कारण
नियोजित अधिकारी को मजदूरी के
रूप में देय सभी रकमें अर्थ-
वितरित रह गई है
(ऐसे मामलों की संख्या लिखिए)3. नव 2 में नियिष्ट मामलों में
असंचितरित मजदूरी की कुल रकम—
रु. (अंकों में) रु. (शब्दों में)4. ऐसे मामलों की संख्या में
जिनमें मजदूरी के रूप में किसी
नियोजित अधिकारी को देय सभी
समस्त रकमें, नियोजित अधिकारी
(अधिकारियों) द्वारा नामनिर्देशित
अधिकारी (अधिकारियों) को संदर्भ
नहीं की जा सकते हैं
(ऐसे मामलों की संख्या लिखिए)5. नव 4 में नियिष्ट मामलों में
असंचितरित मजदूरी की कुल रकम—
(अंकों में) (शब्दों में)6. नव 3 और 5 में नियिष्ट अमं-
वितरित मजदूरी की कुल रकम

(अंकों में) (शब्दों में)

भवदीय,

बेतनमान/प्राधिकृत अधिकारी के
हस्ताक्षर

पर्वनाम

स्थापन का नाम और पता या
उसकी रेल मुद्रास्थान—
तारीख—एक प्रति जिसके साथ संलग्नक नहीं है, जामकारी के लिए प्रादेशिक
आयुक्त (केन्द्रीय) — को अप्रेषित की गई

पता

बेतनदाता/प्राधिकृत अधिकारी के
हस्ताक्षर

पर्वनाम

स्थापन का नाम और पता या
उसकी रेल मुद्रा

स्थान:.....

तारीख:.....

NOTIFICATION

G.S.R. 288 (E) The following draft of certain rules further to amend the Payment of Wages (Railways) Rules 1938 herein after referred to as the said rules which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by sub-section (2) and (3) of section 26 read with section 24 of the Payment of Wages Act 1936 (4 of 1936), is hereby published as required by sub-section (5) of section 26 of the said Act for information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration after the expiry of three months from the date of the publication of this notification in the official Gazette.

2. Any objection or suggestion which may be received from any person on the receipt of the said draft before the date so specified will be considered by the Central Government.

DRAFT RULES

Payment of Wages (Railways) Amendment Rules 1983

1. These rules may be called the Payment of Wages (Railways) Amendment Rules 1983.

2. In rule 2 of the Payment of Wages (Railways) Rules, 1938, after clause (g), the following clause shall be inserted, namely :

(gg) "family" means—

(i) In case of a male employed person, his wife, his children, whether married or unmarried, his dependent parents and his deceased sons' widows' and children.

(ii) In case of a female employed person, her husband, her children whether married or unmarried, her dependent parents, her husband's dependent parents and her deceased sons' widows' and children."

3. After rule 2, the following rules shall be inserted, namely :—

"2A nominations—(1) In case an employed persons is already in employment on the date of commencement of Payment of Wages (Railways) Amendment Rules 1983, ordinarily within 60 days from such date, and in case an employed person has been employed after the date of the commencement of the said rules, ordinarily within 30 days from the day he is employed shall nominate a person conferring on him the right to receive all amounts payable to him as wages, if such amounts could not or cannot be paid

on account of his death before the payment or on account of his whereabouts not being known. The nomination shall be in Form A and submitted in duplicate by the employed person by personal service after taking proper receipt therefor or by sending through registered post with acknowledgement due to the pay master:

Provided that nomination in Form A shall be accepted by the pay master even after the expiry of the specified period, if filed with reasonable grounds for delay, and no nomination so accepted shall be invalid mainly because it was filed after the expiry of the specified period.

- (2) Within 30 days of the receipt of the nomination in Form A under sub-rule (1), the pay master shall get the service particulars of the employed person, as mentioned in form of nomination, verified with reference to the records of the railway or as the case may be, the contractor and returned to the employed person after obtaining a receipt therefor, the duplicate copy of the nomination in Form A duly attested either by the pay master or an officer authorised in this behalf by him as a token of recording of nomination by the pay master and the other copy of the nomination shall be recorded and filed in the manner prescribed in sub-rule (1) of rule 2B.
- (3) If an employed person has a family at the time of making nomination, the nomination shall be in favour of person belonging to his family. Any nomination made by such employed person in favour of a person not belonging to his family shall be void.
- (4) If at the time of making a nomination, the employed person has no family, the nomination may be made in favour of any person but as soon as the employed person subsequently acquires a family, such nomination shall forthwith be deemed to be void and the employed person shall, within 30 days of acquiring a family, submit in the manner as specified in sub-rule (1) a fresh nomination in duplicate in Form B to the pay master and thereafter the provisions of sub-rule (2) shall apply mutatis mutandis as if it was made under sub-rule (1).
- (5) If the nominee pre-deceases the employed person, the interest of the nominee shall revert to the employed person who shall within a period of 30 days from the death of the nominee make a fresh nomination in the manner hereinafter provided for.
- (6) A notice of modification of a nomination including cases where a nominee pre-deceases an employed person, shall submit in duplicate in Form C to the pay master in the manner specified in sub-rule (1) and thereafter the provisions of sub-rule (2) shall apply mutatis mutandis as if it was made in sub-rule (1).
- (7) The employed person shall not nominate a person who is a minor.
- (8) A nomination or a fresh nomination or notice of modification of nomination shall be signed by the employed person or, if illiterate bear his thumb impression in the presence of two witnesses, who shall also sign a declaration to that effect in the nomination, fresh nomination or a notice of modification of nomination, as the case may be.
- (9) A nomination, fresh nomination or a notice of modification of nomination shall take effect from the date of receipt thereof by the pay master.
- 2B. Register of nominations.—(1) The pay master shall record and file all nominations, fresh nominations and notices of modification of nominations as the case may be in the register of nominations which shall be maintained chronologically by the pay master in Form D.

(2) The register of nominations shall be maintained by the pay master up-to-date and kept permanently at the work-spot or where the pay master experiences difficulty in keeping them at the work-spot, at any other suitable place, as may be approved by the Regional Labour Commissioner (Central) in this behalf.

(3) The register of nominations shall normally be maintained in English but where it is maintained in any other language than English, a true translation thereof in English shall be available."

4. The existing rule 9 shall be renumbered as sub-rule (1) and the following sub-rule shall be inserted as sub-rule (2) of rule 9 namely :

"(2) The Chief Labour Commissioner (Central) shall be the prescribed authority with whom amounts required to be deposited under clause (b) of sub-section (1) of section 25A of the Act shall be deposited and who shall deal with the amounts so deposited in the manner prescribed in rule 18B."

5. After rule 18, the following Rules shall be inserted, namely:

"18A. Deposit of amount of undisbursed wages.—(1) Where all amounts payable as wages to a person employed by the pay master remains undisbursed because either no nomination has been made by the employed person or for any reasons, such amounts could not be paid to the nominee of the employed person until the expiry of one year from the date the same had become payable, all such amounts shall be deposited by the employer with the Chief Labour Commissioner (Central) before the expiry of the 15th day after the last day of the said period of one year.

(2) The amounts referred to in sub-rule (1) shall be deposited by the pay master through crossed demand draft obtained from any Scheduled Bank in India drawn in favour of the Chief Labour Commissioner (Central) New Delhi, and such demand draft shall be submitted by the pay master to the Chief Labour Commissioner (Central) together with relevant details in Form VI by registered post simultaneously endorsing its copy to the Regional Labour Commissioner (Central) concerned.

18B. Manner of dealing with amounts— (1) The amounts deposited under rule 18A shall be applied by the Chief Labour Commissioner (Central) to meet the expenditure incurred in connection with the measures which in his opinion are necessary or expedient to promote the welfare of persons employed upon railways, and in particular to defray the cost of measures for the benefit of persons employed upon railways directed towards—

- (i) the provision and improvement of educational facilities;
- (ii) the provision and improvement of recreational facilities;
- (iii) the provision and improvement of family welfare, including family planning;
- (iv) the provision and improvement of vocational training, rehabilitation of disabled and handicapped persons; and
- (v) the provision and improvement of transport facilities.

2. The expenditure incurred in connection with the measures referred to in sub-rule (1) either by a pay master or a trade union registered under the Trade Union Act, 1926 of persons employed upon railways may be reimbursed to the persons concerned by the Chief Labour Commissioner (Central) either wholly or partly at his discretion, provided he is satisfied that the expenditure has been actually incurred by that person for the bona fide purpose specified in sub-rule (1)."

6. In form III of the said rules—

- (a) for the figures "1000" appearing at items 3(c) and 5, the figures "1,600" shall be substituted;

(b) after item 7, the following items shall be inserted, namely—

8. No. of cases and amount of undisbursed wages deposited with the Chief Labour Commissioner (Central):

Persons receiving less than Rs. 1000 per month
No. of Amount
cases

(a) Case in which wages remained undisbursed for want of nomination.
(b) Cases in which wages could not be paid to person(s) nominated by employed person(s) for any reasons".

7. In Form IV of the said rules,—

7. In form IV of the said rules,—

(a) in item 1, for the figures "400" the figures, "1,600" shall be substituted;
(b) in clause (a) of sub-item (2) of item 9, for the words "half anna in the rupee", the words, "three per cent of the wages payable to him in respect of that wage period in which fine is imposed" shall be substituted;
(c) in item 12, after the words "Central Government", the words and the brackets, "or the Chief Labour Commissioner (Central)" shall be added;
(d) after item 12, the following item shall be inserted, namely—

"12-A Deductions can be made with the written authorisation of the employed person for payment of his contribution to any fund constituted by the pay master or a trade union registered under the Trade Unions Act, 1926 for the welfare of the employed persons or the member of their families or both and approved by the Central Government or any officer specified by it in this behalf during the continuance of such approval".

(e) after item 14, the following item shall be inserted, namely—

"14A Deductions can be made with the written authorisation of the employed person for payment of fees payable by him for the membership of any trade union registered under the Trade Unions Act, 1926."

(f) in item No. 15 after the words "approved by the Central Government", the words and brackets, "or the Chief Commissioner (Central)", shall be added.

(g) after item 19, the following words and items shall be inserted, namely—

"Payment of undisbursed wages"

19A. (1) If all amounts payable to an employed person as wages could not or cannot be paid on account to his death before payment or on account of his whereabouts not known shall be paid to the person nominated by him in this behalf.

(2) Where wages remain undisbursed because no nomination had been made by the employed person or for any reason, such amounts could not be paid to the nominee of the employed person until the expiry of one year from the date the same had become payable, all amounts of such undisbursed wages shall be deposited by the pay master with the Chief Labour Commissioner (Central), New Delhi before the expiry of the fifteenth day after the last day of the said period of one year.

Manner of dealing with deposited amounts

19B. (1) The amounts of undisbursed wages deposited with the Chief Labour Commissioner (Central) shall be applied by him to meet the expenditure in connection with the measures to promote the welfare of persons employed upon railways particularly to

defray the cost of measures for the benefit of persons employed by the railways, such as the provision and improvement of educational, recreational and transport facilities, family welfare including family planning, vocational training and rehabilitation of disabled and handicapped persons.

(2) The expenditure so incurred either by a pay master or a trade union of persons employed upon railways, registered under the Trade Unions Act, 1926 may be reimbursed to the person concerned by the Chief Labour Commissioner (Central) either wholly or partly at his discretion.

[F. No. S. 31012/8/82-WC(PW)]
BISHAMBHAR NATH, Under Secy.

FORM A

[See sub-rule (1) of rule 2B]

Nomination

To

(Give here name and address of the paymaster)

I.

(name in full here)

whose particulars are given in the statement below, hereby nominate the person mentioned below to receive all amounts payable to me as wages if such amounts could not or cannot be paid on account of my death before the payment of on account of my whereabouts not being known.

2. I hereby certify that the person nominated by me is a member of my family within the meaning of clause (gg) of rule 2 of the Payment of Wages (Railways) Rules, 1938.

3. I hereby declare that I have no family within the meaning of clause (gg) of rule 2 of the said rules and should I acquire a family hereafter, the above nomination shall be void and in that event I shall make a fresh nomination in Form B.

4. (a) My father/mother/parents is/are not dependant upon me.

(b) My husband's father/mother/parents is/are not dependant on my husband.

Nominee

Name and address of the nominee	Nominee relationship with the employed person	Age of nominee
1	2	3
1		
2		
3		
4		
5		

Statement

1. Name of the employed person in full.

2. Sex

3. Religion

4. Whether married unmarried/widow/widower.

5. Department/Branch/Section where employed.

6. Post held with ticket No. or, serial No., if any.

7. Date of appointment.

8. Present address.

9. Permanent address :

Village..... Thana..... Sub-division.....

Post Office..... District..... State.....

Place.....

Date....

Signature/thumb impression of the employed person

Statement			Name in full and full address of 1. 2. Place..... Date.....	Signature of witnesses 1. 2.
1. Name of the employed person in full. 2. Sex. 3. Religion. 4. Whether unmarried/married/widow/widower. 5. Department/Branch/Section where employed. 6. Post held with ticket No., or serial No., if any. 7. Date of appointment. 8. Present address. 9. Permanent address: Village..... Thana..... Sub-Division..... Post Office..... District..... State.....			Certificate by the paymaster Certified that the above modifications have been recorded and entered into in the register of nominations in Form D at serial No.....	
Place..... Date.....			Signature of the paymaster/office authorised. Designation	Name and address of the establishment or rubber stamp thereof
Place..... Date.....			Acknowledgement by the employed person Received the duplicate copy of the notice for modification in Form C filed by me on..... duly certified by the paymaster.	
Declaration by witnesses Modification of nomination signed/thumb-impression before me.			Place..... Date.....	Signature of the employed person
Note :—Strike out the words not applicable.				

FORM—D

[See sub-rule (1) of rule 2 B]

Register of nominations

Name and address of the establishment..... Name and address of the Paymaster.....

PART—I

Sl. No.	Name and complete address of the employed person	Nature of employment	Name and complete address of the nominee initially nominated in Form A with date	Name and address of the nominee subsequently nominated in Form B with date	Details of modifications, if any, specified in the notice of modification of the nomination given in Form C with date	Remarks
1	2	3	4	5	6	7

PART—II

It shall contain one copy each of the nomination in Form A and, as the case may be, the fresh nomination in Form-B and notice of modification of nomination in Form-C in serial order indicated in part-I.

FORM VI-A

[See sub-rule (2) of rule 18A]

Form : **REGISTERED**
(Give here name and complete address of the Paymaster)

To,

The Chief Labour Commissioner (Central),
Shram Shakti Bhawan,
Rafi Marg,
New Delhi (Pin : 110 001)
Subject:—Deposit of amount of undisbursed wages.

Sh,

As required under sub-rule (1) read with sub-rule (2) of rule 18A of the Payment of Wages (Railways) Rules 1938. I

enclose the crossed demand draft bearing No..... (mention the number) dated for Rs (mention the date) (mention the amount in figures) (rupees..... (mention the amount in words) drawn in your favour obtained from (mention the name and address of the Bank)

The above mentioned amounts represent all amounts payable as Wages to person employed in..... (mention the name and address of the establishment)

Which remained undisbursed because either no nomination had been made by the employed person(s) or for any reasons such amounts could not be paid to the respective nominee(s)

of the employed person(s). The relevant details are furnished hereunder:—

1. Particulars of the relevant wage-period:

.....
(Mention the details of the wage period)

2. No. of cases in which all amounts payable to an employed person as wages, remained undisbursed for want of nomination:
.....
(mention the number of such case(s))

3. Total amount of undisbursed wages in cases referred to in Item 2 : Rs..... (Rupces.....
(mention the amounts in figures) (mention the amounts in words))

4. No. of cases in which all amounts payable to an employed person as wages could not be paid to person(s) nominated by employed person(s):
.....
(mention the number of such case(s))

5. Total amounts of undisbursed wages in cases referred to in item 4:

Rs..... (Rupces.....
(mention the amounts in figures) (mention the amounts in words))

6. Total amounts of undisbursed wages referred to in item 3 and 5 :

Rs..... (Rupces.....
(mention the amount in figures) (mention the amounts in words))
Yours faithfully,

Signature of the Paymaster/officer authorised

Place.....

Designation

Date.....

Name and address of the establishment or rubber stamp thereof.

Copy without enclosure is forwarded for information to the Regional Labour Commissioner (Central)
(mention address).

Place.....
Dated.....

Signature of the paymaster/officer authorised

Name and address of the establishment or rubber stamp thereof.

